हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 12, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 10 जुलाई, 2023 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

भारत से राफेल और ग्लोबमास्टर पहुंचा फ्रांस, आईएएफ के आईएल-78 टैंकरों द्वारा भरा गया ईंधन

नई दिल्ली। भारतीय सेना की पंजाब रेजीमेंट के सैनिक फ्रांस के बास्तील दिवस परेड में शामिल होंगे। वे प्रथम विश्वयुद्ध में लड़े भारतीय सैनिकों के योगदान को याद करते हुए पेरिस में 14 जुलाई को फ्रांसीसी सैनिकों के साथ परेड करेंगे। वहीं भारत के साथ पुराने और मजबूत संबंधों को महत्व देते हुए अपने राष्ट्रीय दिवस पर फ्रांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बतौर सम्मानित अतिथि आमंत्रित किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय सैन्य दल में 77 मार्चिंग सैनिक और 38 बैंड सदस्य होंगे। थल सेना के सैन्य दल का नेतृत्व कैप्टन अमन जगताप, नौसेना के सैन्यदल का नेतृत्व कमांडर व्रत

बघेल और वायुसेना के सैन्य दल का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर संधु रेड्डी करेंगी। थल सेना का प्रतिनिधित्व सेना की सबसे पुरानी में से एक पंजाब रेजीमेंट करेगी। इस रेजीमेंट के सैनिक प्रथम व द्वितीय विश्वयुद्ध में भी लड़ चुके हैं। उल्लेखनीय है कि प्रथम विश्व युद्ध में 13 लाख भारतीय सैनिक शामिल थे, जिनमें से 74 हजार की मौत हुई थी और 67 हजार जख्मी हुए थे। भारत से गए चार राफेल और दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों को फ्रांसीसी वायु व अंतरिक्ष सेना ने स्वागत किया। वायुसेना के आईएल-78 टैंकर ने उड़ान के दौरान राफेल में ईंधन भरा, जिससे वे सीधे फ्रांस पहुंच सके। दोनों विश्व युद्धों के समय फ्रांस के आसमान में भारतीय वायु सैनिकों ने लड़ाई लड़ी थी। जंबो मजूमदार को वीरता के लिए सम्मानित भी किया गया था। भारत-फ्रांस में रणनीतिक सहयोग के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों व भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के बीच विज्ञान, आर्थिक, औद्योगिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी।

राष्ट्रपति मुर्मु कल दो दिवसीय विजिटर सम्मेलन का करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय विजिटर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार 10 और 11 जुलाई को होने वाले दो दिवसीय इस सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति भवन ही करेगा। सम्मेलन की शुरूआत सोमवार को राष्ट्रपति के उद्घाटन भाषण से होगी। मुर्मु 'इनोवेशन', 'रिसर्च' और 'टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट' श्रेणियों में विजिटर अवार्ड्स 2021 प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति ही 162 केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों की विजिटर हैं। सम्मेलन को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी संबोधित करेंगे। 11 जुलाई को पांच अलग-अलग समूह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 को साकार करने में योगदान जैसे उप-विषयों पर विचार-मंथन करेंगे। अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रयास और जी-20, अनुसंधान योगदान और मान्यताएं, विविधता, समानता, समावेशिता और कल्याण, अमृत काल की योजनाओं पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। समापन सत्र में विचार-विमर्श के नतीजे राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे।

उत्तर भारत में कहर बनकर बरस रही बारिश, कई लोगों की मौत, दिल्ली में 41 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई राज्यों में बीते दो दिनों से हो रही बारिश से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ और दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बता दें कि दिल्ली में कल से लगातार बारिश हो रही है, जिससे सड़कों पर पानी भर आया है। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हो गया है। शहर में 24 घंटों में 153 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सबसे अधिक है। इस बारिश ने 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में रविवार को भी भारी बारिश जारी रही। साथ ही गुरुग्राम के कई हिस्सों में भी जलभराव और बिजली कटौती की समस्या उत्पन्न हुई। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक 58 वर्षीय महिला की उसके फ्लैट की छत गिरने से मौत हो गई, जबकि राजस्थान में बारिश के कारण चार लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में रविवार सुबह बारिश के कारण एक घर गिर पड़ा, जिसमें एक महिला और उसकी छह साल की बेटी की मौत हो गई। इसी तरह की एक घटना में हिमाचल प्रदेश के शिमला में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। साथ ही जम्मू-कश्मीर में शनिवार को पुंछ जिले में अचानक आई बाढ़ से सेना के दो जवानों की मौत हो गई। इधर, दक्षिण भारतीय राज्य केरल और कर्नाटक के कई इलाकों में भी लगातार बारिश हो रही है। आईएमडी ने केरल के चार जिलों- कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में येलो अलर्ट जारी किया है। इधर, दक्षिण भारतीय राज्य केरल और कर्नाटक के कई इलाकों में भी लगातार बारिश हो रही है। आईएमडी ने केरल के चार जिलों- कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के सात जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल में कई जगह भूस्खलन से सड़कें बंद हो गई है। वहीं, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। साथ ही चंडीगढ़ में पूरे दिन बारिश होती रही।

मैनपुरी में तीन जगहों पर गिरी आकाशीय बिजली, किशोर सहित तीन की मौत

मैनपुरी। मैनपुरी में शनिवार को बारिश के बीच बिजली गिरने से एक किशोर सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, वृद्ध सहित दो लोग झुलस गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनाएं एलाऊ और दन्नाहार क्षेत्र में हुईं। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है। एलाऊ थाना क्षेत्र के गांव म्योरा चक अबदुल्लापुर निवासी कायम सिंह का पुत्र पियूष पाल उर्फ भोला (17) शनिवार की शाम करीब तीन बजे चचेरे भाई अंकित पाल के साथ खेत पर बकरियां चराने के लिए गया था। जिस समय दोनों बकरियां चरा रहे थे। तब हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। बकरियां चराने के दौरान अचानक दोनों पर बिजली गिर गई। हादसे में पियूष पाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, अंकित बिजली गिरने के बाद बेसुध होकर गिर गया। आसपास के लोगों ने परिजन को सूचना दी। आनन-फानन दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। वहां चिकित्सकों ने पियूष को मृत घोषित कर दिया। थाना दन्नाहार क्षेत्र के गांव रठेरा निवासी विनोद कुमार (55) शाम के समय टिंडौली रेलवे स्टेशन के पास मवेशी चराने के लिए गए थे। तभी बारिश के बीच उन पर बिजली गिर गई। वह अचेत होकर गिर गए। आसपास मौजूद लोगों ने परिजन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन एक निजी डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। दन्नाहार क्षेत्र के गांव जसवंतपुर निवासी ममता देवी (36) शनिवार को खेत पर गईं थीं। शाम के समय वह खेत से वापस घर लौट रहीं थीं। तभी बूंदाबांदी तेज हो गई। अचानक तेज आवाज के साथ ममता पर बिजली गिरी और मौके पर ही मौत हो गई। आनन-फानन में परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, थाना क्षेत्र के गांव झंडेहार निवासी वृद्ध रामब्रेश शनिवार की शाम बकरियां चराने के लिए खेत पर गए थे। वहां बारिश के बीच अचानक बिजली कड़की और वृद्ध पर गिरी। बिजली गिरने से वृद्ध झुलस गए।

डोडा में बस भूस्खलन की चपेट आई, दो लोगों की मौत, जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर हजारों वाहन फंसे

जम्मू। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में रविवार को एक बस के भूस्खलन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गंदोह में गोंडोह गवाड़ी रोड पर यह हादसा हुआ। इसमें घटना में एक यात्री जख्मी हुआ है। मरने वालों की पहचान नीली भालेसा निवासी मुदासेर हुसैन और धारूट खारा निवासी अमीर सुहैल के रूप में हुई है। बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण जिले में भद्रवाह, थाथरी और गंदोह सहित संपर्क सड़कें बंद होने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मूसलाधार बारिश से जनजीवन पटरी से उतर गया। रामबन में पंथयाल टनल के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) का करीब 50 मीटर हिस्सा बह जाने से हाईवे है। इससे दोनों ओर हजारों वाहन फंसे हुए हैं। पुंछ के करीब राता छंब में भूस्खलन के कारण मुगल रोड बंद हो गया है। खराब मौसम के कारण बाबा

अमरनाथ तथा वैष्णो देवी हेलिकॉप्टर सेवा बाधित रही। रामबन के मेहाड़, कैफटेरिया मोड़, केला मोड़, सीता राम पस्सी और पंथयाल में हो रहा भूस्खलन चुनौती बना हुआ है। भूस्खलन के कारण श्रीनगर-सोनामर्ग-गुमरी डबल लेन मार्ग भी प्रभावित है। बारिश से चिनाब व झेलम नदी समेत कई नाले उफान पर हैं। प्रशासन ने लोगों को नदियों के पास न जाने की हिदायत जारी की है। कश्मीर में हिलार के पास रेलवे ट्रैक पर जलभराव से बनिहाल और काजीगुंड के बीच रेल सेवा स्थगित रही। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग भी प्रभावित है। बारिश से सैकड़ों संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। बिजली भी प्रभावित रही। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने रविवार को भी जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, भूस्खलन की चेतावनी दी। 12 जुलाई तक मौसम में उतार चढ़ाव जारी रहेगा। वहीं लोगों की सहूलियत के लिए विभिन्न जिला मुख्यालयों में नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिला प्रशासन राजोरी ने लोगों को थन्नामंडी व डीकेजी मार्ग सहित अन्य भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में आवाजाही न करने की सलाह दी है।

मलेशिया की तीन दिवसीय यात्रा पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हुए रवाना, डिफेंस सहित कई क्षेत्रों पर होगी वार्ता

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मलेशिया जाएंगे। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य मलेशिया और भारत के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करना है।

मलेशिया के पीएम और रक्षा मंत्री से करेंगे मुलाकात- बता दें कि राजनाथ सिंह और दातो सेरी मोहम्मद हसन साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। राजनाथ सिंह मलेशिया के प्रधानमंत्री वाईबी दातो सेरी अनवर बिन इब्राहिम से भी मुलाकात करेंगे।

भारत और मलेशिया के बीच गहरे संबंध- रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि भारत और मलेशिया का पूरे क्षेत्र की शांति और समृद्धि में साझा हित है। दोनों देशों के बीच एक मजबूत और बहुआयामी संबंध है, जो रक्षा और सुरक्षा सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों में विस्तारित हुआ है।

भारत-मलेशिया के बीच रुपये में व्यापार- विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और मलेशिया के बीच गहरे एवं अच्छे संबंध हैं। मालूम हो कि अप्रैल में, भारत और मलेशिया भारतीय रुपये में व्यापार करने पर सहमत हुए हैं। यह घोषणा भारतीय व्यापार को यूक्रेन

संकट के प्रभाव से बचाने के लिए चल रहे आधिकारिक प्रयासों की पृष्ठभूमि में आई है। इससे पहले, इस जून में विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) वी मुरलीधरन ने मलेशिया के मानव संसाधन मंत्री वी शिवकुमार से मुलाकात की थी और वे मलेशिया में भारतीय श्रमिकों के लिए सभी क्षेत्रों को खोलने पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर सहमत हुए थे।

'अब ममता बनर्जी कहीं नहीं दिखेंगी', कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर बोले अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दिन हुई हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने इसे लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। अधीर रंजन चौधरी ने पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा में मुर्शिदाबाद में एक कांग्रेस कार्यकर्ता की कथित हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा, "कल यहां एक 62 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी गई। हत्या का उद्देश्य यह था कि इन्हें मार कर तीन-चार बूथ पर कब्जा किया जा सके। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अभी कहीं नहीं दिखेंगी, राज्य चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा। बंगाल में और कितने लोग मारे जाएंगे?" कांग्रेस सांसद ने कहा कि चुनाव से पहले और चुनाव के बाद हिंसा जारी रहती है। तृणमूल और पुलिस दोनों में कोई फर्क नहीं है। जो काम तृणमूल नहीं कर पाती है, वह पुलिस कर देती है। इस हत्या के खिलाफ हम सड़क और कोर्ट

तक जाएंगे। हम आंदोलन करेंगे।" पंचायत चुनाव के दौरान 20 जिलों में व्यापक हिंसा, मतपत्रों की लूट और धांधली हुई। मुर्शिदाबाद, कूच बिहार, मालदा, दक्षिण 24 परगना, उत्तरी दिनाजपुर और नादिया जैसे कई जिलों से बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों को नुकसान पहुंचाने और पीठासीन अधिकारियों पर हमले की खबरें आईं। पंचायत चुनाव में हुई हिंसा को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने राज्य चुनाव आयोग पर निशाना साधा। वहीं, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भी राज्य चुनाव आयोग पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर बीएसएफ के बार-बार अनुरोध के बावजूद कोई जानकारी नहीं दी गई। ऐसे बूथों को केंद्रीय सुरक्षा बलों को सौंप दिया गया। बीएसएफ के डीआइजी एसएस गुलेरिया ने कहा कि बीएसएफ ने राज्य चुनाव आयोग को कई पत्र लिखकर संवेदनशील मतदान केंद्रों के बारे में जानकारी मांगी, लेकिन 7 जून को छोड़कर कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्हें केवल ऐसे बूथों की संख्या के बारे में बताया गया था, लेकिन उनके स्थान के बारे में कुछ नहीं बताया गया।

असम राइफल्स को बड़ी सफलता, धलाई में दो करोड़ रुपये का मारिजुआना किया बरामद; 2 गिरफ्तार

धलाई (त्रिपुरा)। असम राइफल्स ने 8 जुलाई को त्रिपुरा के धलाई जिले के अंबासा इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। असम राइफल्स ने 2 करोड़ रुपये मूल्य का 498 किलोग्राम मारिजुआना भी बरामद कर जब्त कर लिया है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि महानिरीक्षक असम राइफल्स (पूर्व) के तत्वावधान में अगरतला सेक्टर असम राइफल्स की राधानगर बटालियन ने कल त्रिपुरा के धलाई जिले के अंबासा से एक व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 करोड़ रुपये मूल्य का 498 किलोग्राम मारिजुआना भी जब्त कर लिया है। इससे पहले, 30 जून को त्रिपुरा पुलिस ने धलाई जिले के अंबासा इलाके से 3 किलोग्राम से अधिक हेरोइन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 13.8 करोड़ रुपये है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने जब्ती पर पुलिस की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह राज्य में नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने की उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है। त्रिपुरा पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां त्रिपुरा को ड्रग्स मुक्त बनाने के लक्ष्य पर लगातार काम कर रही हैं।

तीन दिवसीय UK दौरे पर जाएंगे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मुक्त व्यापार समझौते में विस्तार को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल तीन दिवसीय यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर होंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) जैसे मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी गई है। केंद्रीय मंत्री 10-12 जुलाई तक अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, वाणिज्य मंत्री व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) की प्रगति पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों के मंत्रियों से मिलेंगे। आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा गया, "यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत और यूके दोनों अपने आर्थिक संबंधों का विस्तार करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के रास्ते तलाशने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस यात्रा का उद्देश्य एफटीए वार्ता गति प्राप्त करने के साथ ही चर्चा को आगे बढ़ाना और इसके लिए मार्ग प्रशस्त करना है। यात्रा के दौरान, वाणिज्य और उद्योग मंत्री अपने यूके समकक्षों के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होंगे, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार राज्य सचिव के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ये बैठकें एफटीए वार्ता की

प्रमुख प्राथमिकताओं और उद्देश्यों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेंगी, जिसमें व्यापार बाधाओं को दूर करने, निवेश को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी, नवाचार और बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे क्षेत्रों में अधिक सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जाएगा।" यूके सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार संबंध 2022 में 34 बिलियन पाउंड का था, जो एक वर्ष में 10 बिलियन पाउंड (102 करोड़ रुपये) बढ़ गया। यात्रा के दौरान, मंत्री को ईएफटीए के साथ टीईपीए की चल रही वार्ता में हुई प्रगति का आकलन करने के लिए ईएफटीए सदस्य देशों (स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन) के मंत्रियों और अधिकारियों से मिलने की भी उम्मीद है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और तीव्र करने के लिए एक अंतर सरकारी संगठन है। ईएफटीए की स्थापना उन राज्यों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी, जो यूरोपीय समुदाय (ईसी) में शामिल नहीं होना चाहते थे। टीईपीए का लक्ष्य भारत और ईएफटीए सदस्य देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाना, निवेश बढ़ाने, व्यापार बाधाओं को कम करने और अधिक बाजार पहुंच के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देना है।

पाकिस्तान में भारी बारिश ने मचाई तबाही अब तक 76 की मौत; 133 लोग हुए घायल

इस्लामाबाद। भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भारी बारिश का कहर देखने को मिला है। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के हवाले से बताया कि पाकिस्तान में भारी बारिश से कम से कम 76 की मौत हो गई है। इसके अलावा 133 लोग घायल हुए हैं। दरअसल, पाकिस्तान को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है।

बीते महीने जून में हुई भारी बारिश के बाद से अब तक पाकिस्तान में 76 लोगों की जान चली गई है और 133 घायल हुए हैं। एनडीएमए ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में देश भर में भारी बारिश के कारण नौ लोगों की मौत हो गई है, जिससे मृतकों की कुल संख्या 76 हो गई है। इसके अलावा पिछले 24 घंटों में आठ लोग घायल हो गए हैं, जिससे घायलों की कुल संख्या 133 हो गई। साथ ही अब तक देश में 76 मौतें हुई है और 133 लोग घायल हुए हैं। इनमें 15 महिलाएं और 31 बच्चे शामिल हैं। यहीं नहीं मूसलाधार बारिश जारी रहने के कारण पूरे देश में अब तक 78 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एनडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में सबसे ज्यादा लोग मारे गए हैं। पंजाब में भारी बारिश के कारण 48 लोगों की मौत हो गई और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में 20 लोगों की जान गई है। इसके अलावा बलूचिस्तान में पांच लोगों की मौत हुई है। डॉन न्यूज के अनुसार, 6 जुलाई को पाकिस्तान के पंजाब में 18 लोगों की मौत की सूचना मिली है। पंजाब में पिछले दो दिनों में मूसलाधार मॉनसून के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय राजधानी में भारी बारिश के कारण चार और मौतें हुईं और पिछले दो दिनों में यह संख्या 12 तक पहुंच गई है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के बिना कांग्रेस सांस नहीं ले सकती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले एक दशक से कांग्रेस पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर प्रहार कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के बारे में कहा कि भ्रष्टाचार के बिना कांग्रेस सांस भी नहीं ले सकती है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को भ्रष्टाचार की गारंटी का पर्याय बताया है। 2013 से वह लगातार कांग्रेस को भ्रष्टाचार के मामले में घेरते से आ रहे हैं। प्रधानमंत्री 2023 में भी उन्हीं आरोपों में कांग्रेस को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें उन्हें कितनी सफलता मिलेगी, इसको लेकर हर आदमी अब चर्चा करने लगा है। 2014 के पहले सीएजी की काल्पनिक रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस को भ्रष्टाचार की पार्टी कहा गया था। जिन मामलों में कांग्रेस को भ्रष्टाचार की पार्टी निरुपित किया गया था, उनमें 2जी घोटाला, कोयला घोटाला, 90 दशक के बोफर्स घोटाले, सहित दर्जनों घोटाले बताकर कांग्रेस को भ्रष्टाचार की पार्टी बना दिया था। पिछले 2 लोकसभा चुनाव में इन्हीं आरोपों के बल पर भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस को कमजोर करने में बड़ी सफलता भी मिली थी। इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केन्द्र सरकार को 10 साल होने जा रहे हैं। भ्रष्टाचार को खत्म करने की गारंटी उन्होंने 2014 में दी थी। 10 साल बाद भी उन्हीं आरोपों के आधार पर 2024 का लोकसभा चुनाव जीत पाना शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अब संभव नहीं होगा। उन्होंने 60 माह में भारत का कायाकल्प करने और अच्छे दिन लाने का स्वप्न मतदाताओं को दिखाया था। मतदाताओं ने उन्हें 5 साल के स्थान पर 10 साल का समय दे दिया। अर्थात 60 माह की जगह 120 माह दे दिए। 2014 के लोकसभा चुनाव के जो वायदे उन्होंने किए थे, उस पर मतदाताओं ने भरोसा किया था, लेकिन वह सारे वायदे वर्तमान में जुमले साबित हो रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई निरंतर बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतें भी इन 9 वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ी हैं। आम आदमी पर कर्ज का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। सरकार को 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटना पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं के बिना आम आदमी अपना जीवन नहीं जी सकता है। यहां तक कि मनरेगा योजना में ग्रामीण अंचलों के गैर संगठित मजदूरों को जो मजदूरी मिल जाती थी। वह भी अब संभव नहीं हो पा रही है। बात करें घोटालों की तो एक भी घोटाला अदालतों में साबित नहीं हो पाया। कोयला घोटाला और 2जी घोटाले में जांच एजेंसियां न्यायालय में सबूत ही पेश नहीं कर पाई। जिसके कारण आरोपी न्यायालय से दंडित नहीं हुए। 10 साल की सरकार होने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचारियों पर कोई कार्यवाही नहीं कर पाए। मतदाता इसमें उनकी विफलता को ही देख रहे हैं। पिछले 10 वर्षों के भाजपा के शासनकाल में भी जो घपले और घोटाले के आरोप लगे हैं। उनकी जांच कराने के स्थान पर चुप्पी साध लेने से भाजपा की विश्वसनीयता कम हुई है। भ्रष्टाचार के मामले में जनता कांग्रेस पार्टी के बारे में यह मानने लगी है, कि उसके ऊपर जानबूझकर आरोप लगाए, वह सत्यता पर आधारित नहीं थे। यदि होते तो न्यायालयों से उन्हें दंडित किया जाना चाहिए था। ईडी और सीबीआई को यूपीए की मनमोहन सरकार के समय तोता बताया गया था, लेकिन ईडी और सीबीआई की जांच एजेंसियां अभी जो काम कर रही हैं। उसमें वह कई महीनों और कई सालों तक चार्जशीट भी न्यायालयों में प्रस्तुत नहीं हो रही हैं। केवल विपक्षियों की जांच हो रही है। जिसके कारण भ्रष्टाचार की गारंटी को लेकर प्रधानमंत्री जिस तरह से अभी विपक्षियों को घेर रहे हैं। उसका असर अब मतदाताओं में वैसा होता नहीं दिख रहा है। जो 2014 और 2019 में दिखा था। कहावत है, जिन रास्तों पर चलकर सफलता मिलती है, वही रास्ते हमें असफलता की ओर ले जाते हैं। समय अपनी गति से आगे बढ़ता जाता है। लेकिन अपनी सफलता को उसी समय पर बांध कर रखना चाहते हैं। यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 का लोकसभा चुनाव जीतना है तो उन्हें भ्रष्टाचार के स्थान पर अब नए मुद्दे तलाश करने होंगे। भ्रष्टाचार का मुद्दा अब मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर पा रहा है। हाल ही में भोपाल यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनसीपी के नेताओं को 70000 करोड़ के घोटाले का भ्रष्टाचारी बताया था।

भाव आसमान !

गायब हुआ टमाटर ।
भाव आसमान ।।
किचन से नदारद ।
बढ़ गया सम्मान ।।
हुई सब्जी फीकी ।
मच गई है रार ।।
लगता है फरार वो ।
ना रहा अधिकार ।।
पिज्जा बर्गर सैंडविच ।
खोज रहे हैं राह ।।
जनमानस की थाली ।
बन रही गवाह ।।
हास्यास्पद है स्थिति ।
है यही अब हाल ।।
लगता मानसून ने ।
काटा है बवाल ।।

–कृष्णोन्द्र राय

मानव संचार के संदर्भ में भाषा के बाद लिपि की भूमिका सर्वोत्तम है

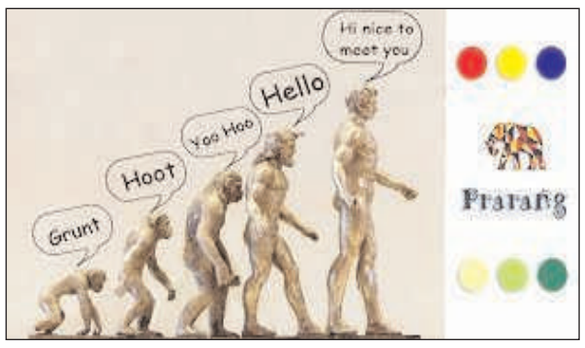

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अस्तित्व के लिए संचार आवश्यक है। मानवता के विकास में संचार का सर्वाधिक योगदान है। संचार तो समस्त नश्वर संसार में विद्यमान है, परंतु मनुष्य की संचार क्षमता सबसे उत्कृष्ट एवं व्यापक है। मानव संचार के संदर्भ में भाषा के बाद लिपि की भूमिका सर्वोपरि है। भाषा मनुष्य का सबसे बड़ा आविष्कार है। भाषा और विचार मनुष्य को जानवरों से अलग करते हैं। भाषा के बाद लेखन मनुष्य की दूसरी महान उपलब्धि है। प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार के साथ संचार का दायरा और भी बढ़ गया. इसने संचार की गति में एक बड़ी क्रांति ला दी है। भाषा मानव संचार का माध्यम है। भाषा की रचना अन्य सभी मानवीय रचनाओं से श्रेष्ठ है। अन्य सभी जीवित प्राणियों की तुलना में, मानव जीभ की संरचना इस तरह से की गई है कि वह विभिन्न ध्वनियों का उच्चारण कर सकता है। इसीलिए पूरे विश्व में हजारों भाषाएँ और बोलियाँ हैं। शब्दों का आदान-प्रदान संख्या के आधार पर पंजाबी दुनिया में दसवीं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इसे 10 करोड़ से ज्यादा लोग बोलने वाले हैं. इस समय यह संशय हैऐसी आशंका जताई जा रही है कि पंजाबी भाषा लुप्त होने वाली है या अगले कुछ वर्षों में लुप्त हो जाएगी। अंग्रेजी भाषा के बढ़ते प्रयोग और पंजाबी भाषा के ह्रास से आज हर कोई चिंतित है। पहली बात तो यह कि पंजाबी भाषा के माध्यम से शब्दों को ले जाने की बात नई नहीं है बल्कि इससे पहले भी अरबी फारसी जैसी भाषाओं के शब्द पंजाबी भाषा में आ चुके हैं। पंजाबी भाषा का नाम भी फारसी के दो शब्दों पंज और आब से मिलकर बना है। इसका मतलब यह है कि हमारी भाषा का नाम भी अन्य भाषाओं से मिलकर बना है। इस के साथ जिस भाषा से शब्द लिये जा रहे हैं, उनका विस्तार और जिस भाषा में शब्दों का समावेश किया जा रहा है। समय-समय पर पंजाबी भाषा ने अलग-अलग भाषाओं से समान और अलग-अलग तरीकों से शब्द उधार लिए और खुद को समृद्ध किया, जबकि आज पंजाबी भाषा को अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाओं से खतरा हो रहा है और पंजाबी भाषा विलुप्त होने की कगार पर है। संदेह जताया जा रहा है जबकि कोई भी भाषा पूरी तरह से लुप्त नहीं होती लेकिन जब दूसरी भाषा के शब्द हावी हो जाते हैं तो उस भाषा की शब्दावली खत्म हो जाती है। अन्य भाषाओं का प्रभाव इतिहास गवाह हैविभिन्न आक्रमणकारी पंजाब की भूमि पर आते रहे और अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा लेकर आये। जब मुसलमान आये तो हमने उनकी संस्कृति के साथ-साथ उनकी भाषा के शब्दों को भी अपनाया। उस समय का पंजाबी लेखन अरबी और फारसी से काफी प्रभावित है क्योंकि उस समय राज्य की भाषा भी फारसी थी। सिख शासन काल में भी पंजाबी राज्य की भाषा नहीं बनी, बल्कि उस समय की आधिकारिक भाषा फारसी थी। उन्होंने ईसाई मिशनरियों को अंग्रेजी साहित्य और अंग्रेजी भाषा को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपी। वे अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करते थे भाषा इसलिए बनाई क्योंकि उन्हें अपनी नौकरी के लिए सस्ते क्लर्क चाहिए थे। उस समय लोग अंग्रेजों के करीब रहने और काम पाने के प्रलोभन में अंग्रेजी सीखने लगे। अंग्रेजों के भारत छोड़ने के इतने समय बाद भी अंग्रेजी भाषा का बोलबाला है। इसके पीछे राजनीतिक कारण भी काम कर रहे हैं. जाते समय अंग्रेज शासन की बागडोर अपने शुभचिंतकों को सौंप गए, जिन्होंने आगे चलकर अंग्रेजी को एक परंपरा के रूप में कायम रखा। 1950 में जब भारतीय संविधान लागू हुआ तो अंग्रेजी को केवल 15 वर्षों के लिए सहायक राज्य भाषा के रूप में स्थान दिया गया।. समय के साथ अंग्रेजी भाषा का दायरा बढ़ता गया। 1997 में एक कानून के जरिये यह प्रावधान किया गया कि न्यायपालिका का सारा काम अंग्रेजी भाषा में होगा. यदि सभी राज्यों की विधान सभाओं के

दो-तिहाई सदस्य यह प्रस्ताव संसद में रखते तो यह कानून खत्म हो सकता था, लेकिन आज तक ऐसा नहीं हो सका। भारतीय संविधान की आठवीं सूची में पंजाबी भाषा को उन 22 भाषाओं में शामिल किया गया है जिन्हें भारतीय संविधान द्वारा मान्यता दी गई है, जबकि संविधान (अनुच्छेद 343) के अनुसार देश की कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है। कहा यह तो सभी जानते हैं कि बच्चा जो भाषा अपनी मां से सीखता है वही उसकी मातृभाषा होती है, लेकिन आजकल मां का सारा जोर अपने बच्चे को जल्द से जल्द अंग्रेजी सिखाने पर रहता है। आज मां और स्कूल के अंग्रेजी भाषा के दबाव में बच्चा न तो पूरी तरह से अंग्रेजी सीख पाता है और न ही पंजाबी। अंग्रेजी भाषा पंजाबी भाषा पर दो तरह से प्रभाव डाल रही है। सबसे पहले, हमें उन शब्दों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जाता है जिनका पंजाबी में हमारे पास कोई अनुवाद नहीं है जैसे स्कूटर, मोबाइल, माइक्रोवेव, ओवन। वगैरह। क्योंकि ये हमारी संस्कृति से पैदा हुए उत्पाद नहीं हैं, बल्कि अन्य संस्कृतियों से लिए गए उत्पाद हैं। पंजाबी में हमारे पास उनका कोई संदर्भ नहीं है। दूसरा तरीका यह है कि आपकी भाषा को प्रभावी बनाने या अपना ज्ञान दिखाने के लिए शब्दावली का उपयोग किया जाता है। पंजाबी में हमारे अपने शब्द भी हैं लेकिन फिर भी हम अन्य भाषाओं के शब्दों का उपयोग करना पसंद करते हैं जैसे क्यों नहीं, क्षमा करें कृपया आदि। जैसे-जैसे संस्कृति बदलती है, वैसे-वैसे हमारी शब्दावली भी बदलती है। रसोई (झालानी) के लिए रसोई शब्द का प्रयोग।कर दिया है आजकल पंजाबियों के घरों के आगे भी अंग्रेजी में नेमप्लेट लिखी मिलती हैं, लेकिन वहां सिर्फ पंजाबी ही आते हैं। कुछ सांस्कृतिक परिवर्तन भी कुछ शब्दों की अस्वीकृति में भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे कुंडा, घोटना, फोहरा, नेही, मधानी आदि वस्तुओं का प्रयोग कम होता जा रहा है, ये शब्द पंजाबी भाषा से बाहर हो जायेंगे। तकनीकी समस्याएँ पंजाबी भाषा के विस्तार में कुछ समस्याएँ इसके कम्प्यूटरीकरण से भी संबंधित हैं। पंजाबी भाषा के तकनीकी कारणों से भी कई समस्याएँ जुड़ी हुई हैंरहा पंजाबी भाषा में टाइपिंग की सबसे बड़ी समस्या फॉन्ट की समस्या है। बेशक बहुत सारे फॉन्ट बनाए गए हैं लेकिन कोई भी पूरी तरह से संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है और न ही पंजाबी भाषा के लिए अलग से कोई की-बोर्ड बनाया जा सकता है। हमें रोमन लिपि वाले कीबोर्ड पर काम करना होगा. कहीं न कहीं इसका एक कारण पंजाबी भाषा में अक्षरों की संख्या अधिक होना भी है। इसके अलावा पंजाबी भाषा के कई खंड हैं, जिनके लिए बड़े कीबोर्ड की आवश्यकता होती है, जो कठिन लगता है, जबकि कुंजियाँ रोमन लिपि में होती हैं।बोर्ड पर टाइप करना आसान है. आज जिन गानों की चर्चा हो रही है उनमें आधे से ज्यादा अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है. एक और चलन पंजाबी लहजे में अंग्रेजी भाषा बोलने का है। जैसे किताबें, कक्षाएं, ड्रेस, बैंक, स्कूल आदि। यह न तो पंजाबी भाषा है और न ही अंग्रेजी भाषा। सच तो यह है कि हम भाषा के प्रयोग के प्रति बिल्कुल भी सचेत नहीं हैं, हमें जो समय और परिस्थिति के अनुसार उचित लगता है हम उसका प्रयोग कर लेते हैं। भाषा विज्ञान के शोधों से यह भी साबित हुआ है कि कोई भी अन्य भाषा सिख है अपनी मातृभाषा सीखना जरूरी है. ऐसा लगता है कि पंजाबी भाषा को सबसे बड़ा खतरा हम लोगों से है जो एक आदर्श भाषा होने के बावजूद अन्य भाषाओं का प्रयोग कर रहे हैं। निस्संदेह, पंजाबी भाषा के विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए कई संगठन प्रयासरत हैं। पंजाबी भाषा के बेहतर भविष्य के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी है। सोशल मीडिया की भूमिका पंजाबी भाषा के विकास और बदलाव में सोशल मीडिया भी अपनी भूमिका निभा रहा है। जहां सोशल मीडिया और पंजाबी साहित्य को एक अलग मंच मिला है, वहीं पंजाबी भाषा भी खूब फली-फूली है लेकिन सोशल मीडिया पर इस्तेमाल होने वाले पंजाबी व्याकरण के मामले में डॉट, टिपी, ढाका को कोई खास तवज्जो नहीं दी जाती, बल्कि इन चीजों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

आयाराम गयाराम...

हरियाणा में एक विधायक हुए गयालाल जिन्होंने 15 दिन में 3 बार पार्टी बदली। एक दिन तो ऐसा रहा जिसमें उन्होंने 2 बार पार्टी बदली। कांग्रेस से जनता पार्टी में गए, वापस कांग्रेस में आए और 9 घंटे बाद फिर जनता पार्टी में लौट गए। राजनीति में आया राम-गया राम का जुमला इन्हीं श्रद्धेय के कारण मशहूर हुआ। गयालाल जी के दौर में दल-बदल की ऐसी बयार चली थी कि 16 महीने में 16 राज्य सरकारें गिर गईं। 1985 में दलबदल कानून बना और लगा कि राजनीति इस बुराई से मुक्त हो जाएगी। मगर अफसोस ह्ब्. दिल के अरमां आंसुओं में बह गए।

पिछले पांच सालों में दलबदलुओं द्वारा गोवा, मणिपुर, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की निर्वाचित सरकारें गिराने और राजस्थान में यह भव्य आयोजन होते होते रह जाने ने साबित कर दिया है कि कहीं कुछ नहीं बदला। गयालाल जी द्वारा स्थापित गौरव शाली परंपरा आज भी कायम है। नेता एक पार्टी के टिकट और घोषणापत्र पर चुनाव जीतते हैं और अगला चुनाव आने से पहले मजे से दूसरी,तीसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं। ऐसे पलट-वीर भी मिल जाएंगे जिनका राजनीतिक हृदय परिवर्तन गिनने के लिए हाथ की अंगुलियां कम पड़ जाएं।

पहले प्रदेश सरकारें गिराने के लिए राजभवन के उपयोग का तरीका चलन में था। आजकल उससे ज्यादा सादा और लोकतांत्रिक फामूर्ला अमल में है। नेताओं की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा भड़काओ, जरूरत पड़े तो जांच एजेंसियों की मदद से भयादोहन करो और कितना भी कीचड़ मचे, अपनी सरकार बनाओ। कमल कीचड़ में ही तो खिलता है न।

महाराष्ट्र में पिछला चुनाव शिवसेना और भाजपा ने मिलकर लड़ा था। बहुमत मिला मगर मुख्यमंत्री पद को लेकर ऐसी रार मची कि शिवसेना ने भाजपा को छोड़ धुर विरोधी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस के साथ महाराष्ट्र विकास अगाड़ी गठबंधन की सरकार बना ली और उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बन गए। जून 2022 में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना तोड़कर अगाड़ी सरकार को चलता किया और भाजपा के साथ सरकार बनाकर मुख्यमंत्री बन गए। अब अजित पवार भी राकांपा छोड़कर इस गठबंधन में शामिल हो गए हैं। अजित पवार वही हैं जिनके विरुद्ध सिंचाई और सहकारी बैंक जैसे हजारों करोड़ के घोटालों की जांच चल रही है और जिनके खिलाफ भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भृष्टाचार के आरोप में जिंदगी भर जेल की चक्की पिसवाऊंगा जैसा बयान दे चुके हैं।

आज वही पवार और देशमुख एक ही मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री पदों की शोभा बढ़ा रहे हैं। पवार की भ्रष्टाचारी छवि रातोंरात सफेदी की चमकार में बदल गई है। राजनीति का नया मापदंड हैः भ्रष्टाचारी वही है जो हमारे खिलाफ है। हमारे साथ है तो काहे का भ्रष्टाचारी! समय आ गया है कि प्यार और जंग में सब जायज है वाले मुहावरे में राजनीति को भी जोड़ दिया जाए।

महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षत्रपों का किस्सा भी अजीब है। दशकों से प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे शरद पवार पटना में विपक्षी एकता की अलख जगा रहे थे कि उनके अपने घर में सेंध लग गई। उद्धव शिवसेना की पर्दे के पीछे से असल ताकत बने रहने की पारिवारिक परिपाटी के विपरीत मुख्यमंत्री बने। अजित पवार का मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरे होने का नाम नहीं लेता। 5 बार उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। एक बार तो तीन दिन के लिए भी।

पाला बदल के बाद खुलेआम एलान कर चुके हैं कि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री रह चुके हैं, फिर से बनना चाहते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि शिंदे, फड़नवीस और अजित पवार जैसी तीन मुख्यमंत्री महत्वाकांक्षाओं के चलते भविष्य की महाराष्ट्र राजनीति का ऊंट किस करवट बैठता है ?

राजनीति में नैतिकता के दिन लद चुके हैं। नेता टिकट के लिए जिस पार्टी विचारधारा के प्रति नाक रगड़ कर प्रतिबद्धता जाहिर करता है वह चुनाव जीतते ही उसके लिए दो कौड़ी की हो जाती है। वह जब चाहे किसी के खिलाफ बयान देकर उसकी भद्दा उतार सकता है और कल उसी के साथ गलबहियां डाले घूमता नजर आ सकता है। मध्यप्रदेश में पिछले चुनाव के महाराज विरुद्ध शिवराज के नारे से संबंधित दोनों धुरंधर अब एक पाले में हैं। महाराज के इलाके में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता हैरान हैं कि किस तरह रातों रात उनके हकों पर डाका पड़ गया। हैरान महाराज के कांग्रेस के जमाने के जमीनी समर्थक भी हैं कि भाजपाईयों ने उन्हे कभी दिल से स्वीकार नहीं किया। बैलों की उछलकूद में दोनों तरफ की घास कुचली जा रही है।

लोकतंत्र में मतदाता नेता ही नहीं उसकी पार्टी और विचारधारा को भी वोट देता है। इसलिए कतई जायज नहीं है कि नेता रातोंरात विपरीत विचारधारा वाली पार्टी के साथ हो ले। अगर उसका भरोसा एक विचारधारा से उठ कर दूसरी में जम गया है तो यह जरूरी नहीं कि उसे वोट देने वाले मतदाता के साथ भी ऐसा ही हुआ है। मगर नेता शायद यह मान चुके हैं कि भारतीय मतदाता या तो बहुत भोला है या फिर निरा मूर्ख। उसे जब चाहे और जैसे चाहे भरमाया जा सकता है। चुनाव जीतने के लिए जो जी चाहे बोला जा सकता है और चुनाव जीतने के बाद उस पर मनमर्जी से अमल किया जा सकता है। नैतिकता की तमाम बातें किताबी हैं और चुनाव जीतते ही रद्दी की टोकरी में फेंकीं जा सकती हैं। पद और उससे जुड़ा पैसा ही सबकुछ है। लोकतंत्र के इतने कुरूप चेहरे की आशा संविधान निमार्ताओं ने शायद ही की होगी !

1985 में बने मूल दल-बदल कानून में दलबदल के लिये एक तिहाई संख्या जरूरी थी। मगर यह संख्या जल्द ही कम पड़ने लगी और 2003 में इसे बढ़ाकर दो-तिहाई करना पड़ा। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा, पद और पैसे के लालच ने इस दो तिहाई आंकड़े को भी दो कौड़ी का बना दिया है। सवाल यह है कि यह दो तिहाई का विकल्प भी क्यों मौजूद रहे ? नेता जाए और जाकर नया जनादेश क्यों न प्राप्त करे ? नित नए गर्त में गिर रहे राजनीतिक चरित्र के मद्देनजर दलबदल को पूरी तरह गैर कानूनी बनाना ही सही विकल्प होगा।

एससीओ की अध्यक्षता के दौरान भारत ने पूरे विश्व में अपने नेतृत्व की छाप छोड़ी है

शंघाई सहयोग संगठन-एससीओ के सदस्य देश चाहे तो इस दुनिया का कायाकल्प कर सकते हैं। अहिंसक विश्व रचना, आतंकमुक्त संसार, आर्थिक उन्नति, आपसी व्यापार एवं समतामूलक दुनिया के सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक संकल्प को आकार दिया जा सकता है, लेकिन चीन एवं पाकिस्तान दो देशों के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान पड़ोसी देश में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहा है तो चीन अपनी विस्तारवादी गतिविधियों, आर्थिक महत्वाकांक्षाओं, एक दूसरे देशों की सीमाओं के प्रति असम्मान लगातार कर रहा हैं। शायद इसी का असर है कि एससीओ की इस सप्ताह मंगलवार को हुई शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की उपस्थिति में कड़े एवं साहसिक शब्दों में कहा, आतंकवाद किसी रूप में हो, उसकी एससीओ मंच से एक स्वर में निंदा होनी चाहिए। इसमें दोहरे मापदंड का कोई स्थान नहीं है।

दुनिया में आतंकवाद, विस्तारवाद, अतिवाद और अलगाववाद की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। इन चुनौतियों का समाधान पाकर ही दुनिया में शांति, अमन-चैन, संतुलित विकास एवं समता की स्थापना संभव है। इसके लिये एससीओ एक सक्षम मंच है, इसके सदस्य देशों में दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी रहती है और दुनिया के कुल व्यापार का करीब 24 प्रतिशत इन्हीं देशों के बीच होता है। अगर संगठन के सदस्य देश आपस में सहयोग करें और संकल्पबद्ध हो तो यह समूह बहुत बड़ी आर्थिक ताकत बन सकता है। समस्या यह है कि चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों को छोड़ने को तैयार नहीं जबकि पाकिस्तान आतंकवाद की खेती करना बंद करने को तैयार नहीं। पाकिस्तान और चीन दोनों ही भारत को एक के बाद एक जख्म देने की कोशिशें करते रहते हैं। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध चीन की ऐसी ही कोशिश है। भारत, रूस और चीन परस्पर सहयोग का त्रिकोण बन जाए तो कोई ताकत इस त्रिकोण के सामने नहीं टिकेगी। जब तक पाकिस्तान और चीन अपनी नीतियां नहीं छोड़ते तब तक एससीओ अपने वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर सकेगा।

चीन एवं पाकिस्तान जैसे देशों ने एससीओ जैसे सार्थक मंच पर भी शतरंज की बिसात बिछा रखी है, यूं तो पूरा विश्व शतरंज बना हुआ है

और सब अपने-अपने मोहरे और अपनी-अपनी चालें चल रहे हैं। विश्व की शतरंज में घोड़ा सीधा और हाथी टेढ़ा चलता है। हम मोहरों को दोष नहीं दें। मोहरे चलते नहीं चलाए जाते हैं। कुछ आतंकवादी एवं विस्तारवादी शक्तियां शांति एवं सहयोग के नाम से अपनी चालें चलती हैं। जो अपने घोड़े, ऊंट और हाथी बचाने के लिए प्यादे को आगे कर मर जाने देते हैं। लेकिन इन यूरेशियाई देशों में तीसरी महाशक्ति भारत है, जो उनकी कुचालों को सफल नहीं होने दे रहा है। एससीओ की ओर से जारी संयुक्त बयान में चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआइ के उल्लेख से भारत ने जिस तरह दूरी बनाई, उस पर आश्चर्य नहीं, बल्कि वह उसकी दूरगामी एवं समझपूर्ण सोच को दशार्ता है। चीन ने इस परियोजना में अरबों डॉलर लगाए हैं। वह दुनिया में नंबर वन बनने के लिए कमजोर देशों को ऋण मुहैया कराने में जुटा है। आज श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार सहित कई अफ्रीकी देश इस कथित सस्ते ऋण के चक्कर में कंगाली के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। भारत इस परियोजना का प्रारंभ से ही विरोध करता आ रहा है। वास्तव में वह पहला देश था, जिसने तब इस परियोजना का विरोध किया था, जब छोटे-बड़े तमाम देश उसका समर्थन कर रहे थे। चीन यह कैसे सोच सकता है कि भारत उसकी इस परियोजना का समर्थन करेगा। चीन की इस परियोजना का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से से गुजरना है, जो कि भारत का भूभाग है। हालांकि चीन इस तथ्य से भलीभांति परिचित है, लेकिन वह अपने अड़ियल रवैये के चलते भारत की संप्रभुता की अनदेखी करने में लगा हुआ है। चीन इस मामले में दोगली एवं बिखरावमूलक नीति पर चल रहा है। एक ओर तो वह यह चाहता है कि भारत समेत अन्य देश उसका सहयोग करें, दूसरी ओर वह भारत में ही छेद करने में लगा है। भला ऐसी योजनाओं एवं नीति के साथ भारत कैसे खड़ा हो सकता है? उसका विरोध वाजिब है। चीन को भारत के विरोध को समझना ही होगा। समस्या केवल चीन कनेक्टिविटी के नाम पर बीआरआइ परियोजना की ही नहीं है, बात पाकिस्तान पोषित आतंकवाद की भी है, जो एससीओ की मूल भावना के विपरीत है। चीन आतंकी संगठनों को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान का आंख मूंद कर समर्थन एवं सहयोग कर रहा है। इस तरह इस मंच का उपयोग अपने स्वार्थ एवं नीतियों के लिये करने वाले देशों से सर्तक एवं सावधान होने की जरूरत है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का बेशर्मी के साथ बचाव भी करता है, जिन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पाबंदी लगाना चाहती है। वह अभी तक पाकिस्तान के ऐसे चार-पांच आतंकी सरगनाओं की ढाल बन चुका है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंधित करने की कोशिश की। इसी के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकमुक्त विश्व की संरचना का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने दोनों देशों को खरी-खोटी सुनाई और यह साफ किया कि वे किस तरह आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम कर रहे हैं। चीन आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाने के साथ पड़ोसी देशों की अखंडता की जैसी अनदेखी करने में लगा हुआ है, उसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि एससीओ के सदस्य देशों में आपसी भरोसा, एकमतता एवं सांझी सोच कायम हो सकेगी। रूस भी भटका हुआ है। भारत ही एकमात्र देश है जो अपने संकल्पों के साथ अडिग खड़ा है, मोदी ने वसुधैव कुटुंबकम का जिक्र करते हुए भारत का उदार नजरिया पेश किया। मोदी ने कहा, भारत दुनिया भर के देशों को एक परिवार मानता है। उनका कहना था कि भारत ने एससीओ को एक विस्तारित पड़ोस नहीं बल्कि विस्तारित परिवार मान कर काम किया है।

नंदगंज पुलिस के हत्थे चढ़े 6 चोर चोरी किया गया सामान बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम मे अपराध एवंम अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी भुडकुडा महोदय के कुशल पर्यवेक्षण मे रविवार को थाना नन्दगंज पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर ग्राम मदनही थाना नन्दगंज जनपद गाजीपुर से दिनांक 07 जुलाई 23 को प्राथमिक विद्यालय बबुरा मदनही से चोरी गये सामान व उसे चुराने वाले 06 नफर अभियुक्तों को 01 अदद गैस सिलेन्डर, एक अदद स्टेपलाईजर , एक अदद ब्लूटूथ स्पीकर, चार बोरा चावल व दो बोरा गेहूं के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त घटना के सम्बन्ध में स्थानीय थाना पर में अभियोग पंजीकृत है । मुकदमा उपरोक्त में गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण उपरोक्त का नाम प्रकाश में लाया गया तथा धारा 411 भा0द0वि0 की बढोत्तरी कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तगण में आशीष उर्फ आलोक रंजन पुत्र सत्यानारायन निवासी मदनही थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर उम्र करीब 20 वर्ष, पिकेश कुमार उर्फ कल्लू पुत्र राजेन्द्र कुमार निवासी ग्राम मदनही थाना नंदगज, गाजीपुर उम्र करीब 19 वर्ष, रोशन कुमार पुत्र राजदेव राम निवासी ग्राम मदनही थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर उम्र करीब 18 वर्ष, नितिन गुप्ता पुत्र अनंत गुप्ता निवासी ग्राम आकुसपुर थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर उम्र करीब 18 वर्ष, आशु पुत्र केदार निवासी ग्राम मदनही थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर उम्र करीब 24 वर्ष, गोविन्द पुत्र सुभाष निवासी ग्राम मदनही थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर उम्र करीब 18 वर्ष शामिल रहे।गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक रवि प्रकाश, उप निरीक्षक रमेश कुमार पटेल,आरक्षी सुनील यादव, आरक्षी दिवेन्दु सिंह,आरक्षी विपीन नायक शामिल रहे।

थाने का घेराव कर के पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

प्रखर जौनपुर। जनपद के थाना नेवढ़िया क्षेत्र स्थित भवानीगंज बाजार में शनिवार की शाम को हुए विवाद के बाद पहुंची पुलिस पर पीड़ित को ही पीटने का आरोप लगात हुए लगभग दो दर्जन की संख्या में ग्रामीण आधी रात को नेवढ़िया थाना पर पहुंच गए। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी किए। एक सिपाही पर अनावश्यक रूप से पीटने का आरोप लगाया। ग्रामीणों के अनुसार, पानी पूरी (गोलगप्पा) खाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। वहां एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को पीट दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस पर पीड़ित पक्ष ने पिटाई करने का आरोप लगाया। भवानीगंज निवासी दुकानदार संजय जायसवाल का आरोप है कि जमालपुर (भरौटी) गांव के कुछ युवकों ने शनिवार देर शाम बिना किसी बात के मुझे और बेटे आर्यन को मारा पीटा। मारपीट की सूचना पर दोनों पक्षों से सैकड़ो लोग आमने सामने हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच तनाव को देखते हुए भीड़ को खदेड़ा और दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया। उधर, रात में थाने पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस ने बिना कुछ पूछे ही लाठी चलाना शुरू कर दिया। इससे कई लोगों को चोट लगी है। इस घटना के बाद पुलिस और ग्रामीण जनो के बीच तनाव बना हुआ है।

राष्ट्रवाद के नाम पर बांटना चाहती है भाजपाः बृजलाल

जौनपुर। कलेक्ट्रेट के काशीराम सामुदायिक भवन में रविवार को कांग्रेस के कई नेताओं का आगमन हुआ। मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने संविधान बचाओ संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहाकि आज संविधान के कुछ बिंदुओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने केन्द्रीय और प्रांतीय सरकार पर निशाना साधते हुए कहाकि राष्ट्रवाद का कथित नारा देकर आमजन को भाजपा बांटना चाह रही है। उन्होंने कहाकि आगामी लोकसभा चुनाव भाजपा नीति सरकार का जाना तय है। गरीब, मजदूर और किसानों की आवाजों को बंद करने के लिये तरह-तरह का हथकंडा अपनाया जा रहा है। श्री खाबरी ने कहाकि लोकतंत्र बचाने के लिये कांग्रेस सभी प्रदेशों में बड़ा जन आंदोलन कर रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता भाजपा की गलत नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में लगे हैं।

पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कार्यकताओं का आह्वान किया कि आगामी लोकसभा चुनाव जीतने के लिये बूथ स्तर पर अभी से तैयारी शुरू कर दें। उक्त अवसर पर पूर्व सांसद राजेश मिश्रा एवं पूर्व विधायक नदीम जावेद, देवव्रत मिश्रा, जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज, राजेश सिंह, राकेश मिश्रा उर्फ मंगला गुरू, विशाल सिंह हुकूम समेत तममा पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

श्री काशी अग्रवाल समाज द्वारा 51 मेधावियों को किया गया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी द्वारा 9 जुलाई रविवार को श्री अग्रसेन कन्या पीजी कालेज के बुलानाला, मैदागिन परिसर में आयोजित समारोह में अग्रसमाज के 51 मेधावी छात्र - छात्राओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया` शहर के मेयर अशोक तिवारी ने सत्र 2022-23 में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडियट के बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज की नई पीढ़ी ने अग्र समाज को नई पहचान दी है वही मेधावी छात्रों की यह उपलब्धि एक पड़ाव मात्र है लक्ष्य दूर है जिसे हासिल करने के लिए आगे और संघर्ष करना है जिसके बाद समाज व देश के विकास के लिए आगे बढ़ना होगा तभी हमारा अध्ययन सार्थक होगा `कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मेयर अशोक तिवारी के द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ` समाज के सभापति संतोष अग्रवाल (हरेकृष्ण) ने मुख्य अतिथि मेयर अशोक तिवारी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया एवं राकेश जैन (मंत्री समाज) ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया `प्रधानमंत्री संतोष अग्रवाल कर्णघंटा ने श्री काशी अग्रवाल समाज का परिचय कराते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि महाराज श्री अग्रसेन जी के प्रांसंगिक सिद्धांत एक रूपया और एक ईंट को आत्मसात कर श्री काशी अग्रवाल समाज अग्रसर रहा है और हम उनके वंशज तन, मन, धन से देश सेवा, मानव सेवा के लिये सदैव तत्पर एवं अग्रणी रहे हैं कार्यक्रम का संयोजन व संचालन डा.रूबी शाह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन पंकज अग्रवाल (ब्रम्हाघाट) ने किया` इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपसभापति अशोक अग्रवाल (नाटी इमली), बल्लभ दास अग्रवाल (चम्पालाल), अरूण अग्रवाल (रूद्रा), नीरज अग्रवाल (आरके मार्बल), रिषभ चन्द्र जैन, अर्थमंत्री गौरव अग्रवाल, डा.मधु अग्रवाल (प्रबंधक, श्री अग्रसेन कन्या पीजी कालेज), डा. मिथिलेश सिंह (प्राचार्य, श्री अग्रसेन कन्या पीजी कालेज) मौजूद रही।

भारत विकास परिषद के 60वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत विकास परिषद के 60वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन काशी प्रांत के वाराणसी जिले के सभी 18 शाखाओं के द्वारा 9 जुलाई रविवार कों काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित के एन उडप्पा सभागार में किया गया सर्वप्रथम मां भारती एवं विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात वंदे मातरम का सामूहिक गायन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर सूर्य कुमार सिंह निदेशक चिकित्सा विद्या संस्थान, बीएचयू थे उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत विकास परिषद द्वारा किए गए कार्यों की चाहे वह बनवासी क्षेत्र में हो ,शिक्षा क्षेत्र में हो, स्वास्थ के क्षेत्र में हो एवं अपने से कमजोर वर्गों के बीच काम करने का हो सभी की भरपूर सराहना किया स्वागत जिला समन्वयक योगेश कुमार श्रीवास्तव एवं आतिथ्य शाखा अध्यक्षा रंजना केशरी ने किया कार्यक्रम में जिले की सभी शाखाओं द्वारा कुटुम्ब संस्कार के ऊपर नृत्य नाटिका एवं विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम में पूर्व प्रांतीय अध्यक्षगणों एवं जिले के शाखाओं के निवर्तमान अध्यक्षगणो का सम्मान प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण पटेल एवं प्रांतीय महासचिव रवि जायसवाल के द्वारा किया गया` इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय दायित्व धारी निर्मल जोशी ने सभा को संबोधित किया एवं रीजनल संयुक्त महासचिव प्रमोद राम त्रिपाठी ने भारत विकास परिषद का परिचय सभा को दिया संचालन सुनील सिन्हा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन अतिथ्य सत्यम शाखा के अध्यक्ष किशन पेशवानी ने दिया इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के निम्नलिखित लोग उपस्थित थे प्रांतीय महिला संयोजिका सुप्रिया जड़िया, रिजनल महासचिव नवीन श्रीवास्तव ,राष्ट्रीय मंत्री डॉ.शिप्राधर रीजनल सचिव डाक्टर कविता शाह ,पूर्व रीजनल सचिव रमेश लालवानी , निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष सी.ए.मुकुल शाह ,विनीता श्रीवास्तव ,विवेक तिवारी एवं राजीव कुमार पाण्डेय ,सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

तीन किडनी वाले दुर्लभ मरीज का पॉपुलर हॉस्पिटल में हुआ सफल इलाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मरीज के पास तीन किडनी होने की अद्वितीय स्थिति, तीसरी किडनी में पथरी जो ट्रेस करने योग्य नहीं था छह महीने से पेशेंट दर्द से पीड़ित था बिहार और वाराणसी के कई डॉक्टरों की सलाह ली` पॉपुलर हॉस्पिटल में पेशेंट का डॉ. दिनेश सिंह और उनकी टीम ने डॉ. ए.के. कौशिक के मार्गदर्शन में उपयुक्त जांच और सफल उपचार किया विश्वभर में 100 से कम लोगों में ही मिली है तीसरी किडनी होने की सूचना विकिपीडिया के अनुसार हमें गर्व है कि हम आपके सामक्ष एक अत्यधिक अनोखे और दुर्लभ मामले के बारे में सूचित कर रहे हैं जहां मरीज के पास तीन किडनी होने की विचित्र स्थिति है इस तरह की स्थिति दुनिया भर में अभी तक केवल 100 से कम लोगों में ही पाई जाती है जैसा कि विकिपीडिया द्वारा उल्लिखित है इस अनूठे मामले में बिहार के एक 46वर्षीय पुरुष रोगी ने बिहार और वाराणसी में कई डॉक्टरों से सलाह ली, हालांकि उन्हें 6 महीने से अधिक समय तक दर्द का सामना करना पड़ा` अंततः उन्होंने पॉपुलर हॉस्पिटल से संपर्क किया, जहां पेशेंट का डॉ. दिनेश सिंह और उनकी टीम ने डॉ. ए.के. कौशिक के मार्गदर्शन में सटीक जांच और सही उपचार किया` डॉ. दिनेश सिंह, पॉपुलर हॉस्पिटल के अत्यधिक अनुभवी युरोलोजिस्ट हैं उन्होंने इस मामले में विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया और डॉ. ए.के. कौशिक के मार्गदर्शन में पेशेंट का सही इलाज किया` तीसरी किडनी में पथरी की समस्या पहले से ही गंभीर थी, क्योंकि यह ट्रेस करने योग्य नहीं थी हालांकि, इस दुःखद स्थिति में, पॉपुलर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने हार नहीं मानी और सफल सर्जरी कर एक कीर्तिमान बनाया अब मरीज पूरी तरीके से स्वस्थ है और किसी भी प्रकार का कोई दर्द या परेशानी नहीं हैअभी मरीज डॉक्टरो के निगरानी में है जिसको कुछ दिनों में छुट्टी दे दी जाएगी ` प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पॉपुलर हॉस्पिटल द्वारा प्रदान की जा रही विशेषज्ञता और उपचार के बारे में सूचित करना चाहते हैं।

अंतर्राज्यीय तश्कर व अभियुक्त अब्बास खान व पत्नी नजीबुन निशा की संपत्ति कुर्क

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन द्वारा चिन्हित अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 29 जून 23 को प्रभारी निरीक्षक विवेचक थाना गहमर जनपद गाजीपुर द्वारा प्रेषित आख्या पर पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर जिलाधिकारी गाजीपुर द्वारा पारित कुर्की आदेश के अंतर्गत, उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तश्कर व हत्या का अभियुक्त अब्बास खान पुत्र स्व0 मुर्तजा खान नि0 ग्राम मोहम्मदपुर थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर की अपने तथा अपनी पत्नी के नाम से अर्जित अचल बेनामी सम्पत्ति कुल 26 लाख 25 हजार 500 रुपये को आज रविवार को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त द्वारा एक गिरोह बनाकर लोक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने अपने तथा अपने गैंग के सदस्यों के लिए आर्थिक,भौतिक व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से आपराधिक कार्य तथा समाज विरोधी क्रियाकलापों में अर्जित बेनामी अचल संपत्ति जो कि अपने तथा अपनी पत्नी के नाम पर क्रय किया है उसका विवरण 01.10.2015 को अपनी पत्नी नजीबुन निशा के नाम से मौजा मुहम्मदपुर तहसील जमानियाँ जनपद गाजीपुर में खण्ड/जिल्द झ 2594, लेख पत्र संख्या झ 41,42 खाता संख्या 630- गाटा संख्या 497 में रकबा 0.1714 क्रय किया गया , जिसकी मालियत 04 लाख 28 हजार 500 रुपये है। तथा 04.06.2021 को अपनी पत्नी नजीबुन निशा के नाम से मौजा मुहम्मदपुर तहसील जमानियाँ जनपद गाजीपुर में खण्ड/जिल्द 4245, लेखपत्र संख्या झ 2326 , खाता संख्या झ 889, गाटा संख्या झ 93 में रकबा 0.240 हे0 भूमि क्रय किया गया । जिसकी मालियत 6 लाख रुपए है। साथ ही 22.09.2014 को अपनी पत्नी नजीबुन निशा के नाम से मौजा मुहम्मदपुर तहसील जमानियाँ जनपद गाजीपुर में खण्ड/जिल्द 3331, लेख पत्र संख्या झ 3773, खाता संख्या झ 290, गाटा संख्या झ 1023 में रकबा 0.291 हे0 भूमि क्रय किया गया । जिसकी मालियत 7 लाख 27 हजार 500 है । अभियुक्त अब्बास खान द्वारा दिनांक 06.05.2021 को अपनी पत्नी नजीबुन निशा के नाम से मौजा मुहम्मदपुर तहसील जमानियाँ जनपद गाजीपुर में खण्ड/जिल्द 4234, लेख पत्र संख्या झ 2024, खाता संख्या झ 656, गाटा संख्या झ 106 में रकबा 0.089 हे0 भूमि क्रय किया गया। जिसकी मालियत 04 लाख 05 हजार रु0 है। और 17.10.2019 को अपने नाम से मौजा मुहम्मदपुर तहसील जमानियाँ जनपद गाजीपुर में खण्ड/जिल्द 3677, लेख पत्र संख्या झ 65-90 क्रमांक 1771 जिसकी डीह मकान नं0 116 विक्रित रकबा -0-7.5362 धुर यानी 47.736 वर्ग मीटर क्रय किया गया है। जिसकी मालियत। जिसकी मालियत 03 लाख 79 हजार रु0 है । साथ ही अभियुक्त अब्बास खान द्वारा अपने नाम से वाहन सं0- यू0पी0-61-ए0-एफ0-9486 रायल इन्फील्ड वाहन क्रय किया गया। जिसकी मालियत 90 हजार रु0 है। अभियुक्त के खिलाफ विभिन्न थानों में 6 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि ने क्लब मेंबरों को दिया सदस्यता प्रमाण पत्र

प्रखर जौनपुर। द मर्सी क्लब के सदस्यों को नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि रामसूरत मौर्या ने नए सत्र के लिए सदस्यता प्रमाण पत्र अपने हाथो से प्रदान किया ,इस मौके पर अध्यक्ष ने कहा कि क्लब का कार्य बहुत ही सराहनीय है हम और हमारी टीम सदैव क्लब के कार्यों के साथ है और जरूरत पड़ने पर उक्त क्लब की मदद से समाज में बेहतर कार्य किया जाएगा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रतनलाल मौर्य ने सर्वसम्मति से नगर पालिका अध्यक्ष को द मर्सी क्लब का संरक्षक बनाया मीडिया प्रवक्ता रियाजुल हक ने क्लब के सामाजिक कार्यों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि वर्तमान समय में हमारा क्लब शहर भर में पौधरोपण का कार्य कर रहा है, हम लोग ज्यादातर मौलश्री वृक्ष के पौधे लगा रहे हैं। जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेश सिंह ने बताया कि हमारा क्लब शहरो से लेकर गांव तक प्रत्येक सामाजिक कार्य में अग्रसर रहता है ,नगर पालिका अध्यक्ष के आवास पर क्लब के प्रांतीय चेयरमैन एजाज अहमद हाशमी और रामसूरत मौर्य ने अपने हाथो से मौलश्री वृक्ष का पौधा लगाया, नए सत्र के लिए सदस्यता प्रमाण पत्र मुख्य रूप से अब्दुल सलाम ,महताब, दिनेश कुमार, पवन कुमार प्रजापति ,अब्दुल खालिक, मोहम्मद कलीम, मनोज सेठ आदि मेंबर ने प्राप्त किया।

अवैध कब्जा रोकने के लिए थानाध्यक्ष से लगाई गुहार

प्रखर प्रतापगढ़। पीड़ित ने थानाध्यक्ष से अवैध कब्जा रोकने के लिए न्याय की गुहार लगाई है। बता दें कि मामला प्रतापगढ़ जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव जनवामऊ का है। जहां पर सुरेश सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके गांव के निवासी कमलेश बहादुर सिंह, राजेश बहादुर सिंह, दलभान सिंह पुत्रगड स्वर्गीय राम बहादुर सिंह अपने पुत्रों के साथ गुट बनाकर रस्सी बाधकर जबरदस्ती नाली बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जिसको लेकर प्रार्थी ने नवाबगंज थाना अध्यक्ष से गुहार लगाई है। सुरेश सिंह का कहना है कि उनकी भूमिधरी पर उक्त दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। प्रार्थी का कहना है कि जब तक पक्की नाप ना हो जाए तब तक थानाध्यक्ष से अवैध कब्जे पर रोक लगाने का अनुरोध किया है।

काशी विश्वनाथ दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जन्त्रलेश्वर यादव ने कहा शीतला घाट से जल भरकर बाबा विश्वनाथ को गर्भ गृह में करेंगे जलाभिषेक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी विश्वनाथ दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जन्त्रलेश्वर यादव ने 9 जुलाई रविवार कों चेतगंज स्थित एक रेस्टोरेंट में किया पत्रकार वार्ता का आयोजन` राष्ट्रीय अध्यक्ष जन्त्रलेश्वर यादव ने पत्रकार वार्ता के दौरान मीडिया से जलाभिषेक के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण बातों को बताते हुए कहा इस वर्ष जलाभिषेक में हमारे मुख्य अतिथि हंशराज गंगा राम जी अहीर चेयरमैन अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त यात्रा का शुभारम्भ बासफाटक काशी विश्वनाथ दल के प्रधान कार्यालय से यात्रा की अगुवाई करते हुए गर्भ गृह में पूर्व की भांति परमपरागत परमपरा के अनुसार जलाभिषेक सम्पन्न होने तक उपस्थित रहेंगे` अंग्रेजी हुकुमत के समय से यदुवंशी समाज काशी के बाबा विश्वनाथ सहित प्रमुख शिवालयों में जलाभिषेक करता चला आ रहा है जिसमें काशी विश्वनाथ दल के संस्थापक बाबा विश्वनाथ के परम भक्त स्व० तेजू सरदार के द्वारा सन 1952 से अपने यदुवंशी समाज के नेतृत्व में वासियों के साथ परम्परागत शीतला घाट से जल भरकर बाबा विश्वनाथ को गर्भ गृह में जलाभिषेक करते चले आए हैं इसी क्रम में 10 जुलाई सोमवार कों सुबह 9 बजे पूर्व की भांति इकठ्ठा होकर सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त काशी विश्वनाथ अलंकरण स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं माल्यार्पण करेंगे` शीतला घाट पर यदुवंशी समाज पूर्व की भांति इकठ्ठा होकर सर्वप्रथम माँ गंगा का पूजन- अर्चन करने के बाद जल भरकर शीतला माता का जलाभिषेक कर पुनः जल भरकर गंगा तट से डेढसी पुल से होते हुए डुडीराज गणेश का पूजन करेंगे` माता अन्नपूर्णा के मन्दिर में दर्शन करके जल चढ़ाते हुए बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में जलाभिषेक समस्त यदुवंशी` तदोपरान्त ज्ञानवापी से निकलकर बांसफाटक पर स्व० तेजु सरदार के आवास पर पहुंचकर प्रसाद वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न होगा` पत्रकार वार्ता में प्रमुख रूप से जन्त्रलेश्वर यादव, मदन यादव, अर्जुन यादव ,अशोक यादव, भगवान यादव, विकास यादव, सुनील यादव, पप्पु यादव उपस्थित रहें।

संकाय, इंजीनियरिंग में प्री पीएच.डी. कोर्स वर्क की कक्षाएं शुरू

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में दो केंद्रों पर प्री पीएच.डी.कोर्स वर्क का हुआ शुभारंभ परिसर के संकाय भवन और अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय केंद्रों पर हुआ। संकाय भवन के केंद्र समन्वयक डॉ मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि संकाय भवन केंद्र पर जूलॉजी, बॉटनी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, बायो टेक्नोलॉजी, नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी विषयों के शोध छात्र एवं छात्राओं के कोर्स वर्क की कक्षाएं संचालित हो गई है। अभियांत्रिकी संकाय केंद्र संख्या 4 के समन्वयक डॉ राजकुमार, विभाग अध्यक्ष, गणित विभाग ने कहा कि उनके केंद्र पर भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं गणित विषयों के छात्र- छात्राओं की कक्षाएं प्रारंभ हो गई है ' इन कक्षाओं के उद्घाटन दिवस के अवसर पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी प्रयागराज के प्रोफेसर कृष्णा मिश्रा द्वारा रिसर्च एथिक्स विषय पर व्याख्यान दिया गया जबकि डीएसटी सीआईएमएस की बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की केंद्र समन्वयक डॉ मंजरी गुप्ता द्वारा कंप्यूटर एप्लीकेशन विषय पर व्याख्यान दिया गया' इन दोनों केंद्रों के छात्र-छात्राओं की कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से संचालित हुई' यह कक्षाएं प्रत्येक सप्ताह में 3 से 4 दिन संचालित होंगी। ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यम से इन केंद्रों द्वारा प्री पीएचडी कोर्स वर्क को पूर्ण कराया जाएगा। साथ ही उनका मूल्यांकन किया जाएगा' प्रत्येक शोधार्थी को तीन सैद्धांतिक पेपर रिसर्च एथिक्स, रिसर्च मेथाडोलॉजी एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन के तैयार करने होंगे इसके अतिरिक्त उसे रिसर्च प्रोजेक्ट अपने शोध निर्देशक द्वारा दिए गए विषय के अनुरूप समय-समय पर प्रस्तुतीकरण देना होगा जिसका मूल्यांकन प्री पीएचडी कोर्स वर्क में दी गई व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा। पीएचडी कोर्स वर्क के लिए पाठ्यक्रम तथा अन्य आवश्यक सूचनाएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है' जिन छात्र-छात्राओं का पंजीकरण अभी तक इन अध्ययन केंद्रों पर नहीं हुआ है उन्हें शीघ्र ही अपनी शुल्क जमा करते हुए आवश्यक दस्तावेजों की हार्ड कॉपी अपने पूरी आवेदन प्रपत्र के साथ इन केंद्रों पर जमा कर देना चाहिए जिससे उनकी उपस्थिति का मानक समय से पूर्ण हो सके।

राधिका मदान का हिट साल

राधिका मदान क्वॉलिटी वर्क और ग्रोथ के लिए पांच साल से भी कम समय में बारह से अधिक प्रोजेक्ट्स पर काम किया है, जिनमें से प्रत्येक जॉनर, कॉन्सेप्ट और दृष्टिकोण में भिन्न है। पिछले साल छह प्रोजेक्ट्स पूरी किए और इस साल सात की रिलीज की प्रतीक्षा है। इनमें से कुत्ते, सास बहू और फ्लेमिंगो और कच्चे लिम्बु के लिए प्यार और प्रशंसा मिली है। महत्वपूर्ण है कि काम करते रहना और विकसित होना। अपनी पहली फिल्म 'मर्द को दर्द नहीं होता' से लेकर आगामी 'सना' तक राधिका ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों का दौरा किया। राधिका वर्सटाइल अभिनेत्री है, जिन्होंने किसी भी लेबल को खुद को पहचान बनने की अनुमति नहीं दी है। उनकी कहानियों की चॉइस बेमिसाल है। उनमें खूबसूरती और टैलेंट का मेल है, जो आलिया भट्ट से मिलता जुलता है।

'अवस्थी बनाम अवस्थी' से डेब्यू

निर्देशक पवन कुमार वाडेयार कन्नड़ फिल्म निर्माता हैं। उन्होंने अपने काम के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है, अब वह मनोरंजक कानूनी ड्रामा के साथ हिंदी सिनेमा की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। पवन का पहला कदम, अवस्थी बनाम अवस्थी में अभिनेता परमब्रत चट्टोपाध्याय होंगे। अभिनेता को विद्या बालन अभिनीत कहानी, बुलबुल और वेब श्रृंखला अरण्यक में दिखा गया है। परमब्रता ने फिल्म का टीजर साझा किया। मेज पर सिर्फ पुराना टाइपराइटर रखा है। ऊपर कागज पर लिखा है, काश एंटरटेनमेंट राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पवन कुमार के साथ फिर से जुड़ रहा है। अधिक अपडेट के लिए बने रहें।

निस्वार्थ प्यार और संघर्ष की कहानी

गौना भारत के कुछ राज्यों में प्रचलित विवाह से जुड़ा रिवाज है। शादी के बाद भी कुछ वर्षों तक दुल्हन अपने मायके में रहती है, जब सयानी हो जाती है तब उसे गाजेबाजे और बारात के साथ विदा किया जाता है। शेमारू उमंग 'गौना एक प्रथा' शो सोमवार से प्रस्तुत होगा। जहां, गहना की कहानी और उसके त्याग को पेश किया है। यह फॅमिली ड्रामा शो गहना (कृतिका देसाई), गौरव (रोहित पुरोहित) के इर्द-गिर्द घूमती है जहां गहना शादी के बाद होने वाली गौना की प्रथा को पूरा करने को लेकर प्रतिबद्ध है। कृतिका देसाई ने कहा, मैं बहुत खुश हूं गहना बहुत दृढ़ और ताकतवर है। यह प्रेम, त्याग और लचीलेपन की जटिलताओं को उजागर करता है।

काजोल की दो पत्ती

लेखिका से निर्माता बनीं कनिका ढिल्लों कथा पिक्चर्स के तहत अपने पहले प्रोडक्शन प्रोजेक्ट के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया के लिए तैयार हैं। दो पत्ती शीर्षक वाली इस फिल्म ने अभिनेत्री काजोल और कृति सेनन को शामिल कर लिया है। केदारनाथ, मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट और गिल्टी जैसी फिल्मों में अपनी कहानियों से साहसिक यात्राओं पर ले जाने वाली कनिका ने कहा, मैं निर्माता के रूप में इस नई यात्रा को शुरू करने के लिए बेहद रोमांचित हूं। दो पत्ती सम्मोहक कहानी है, लेखक के रूप में मेरे दिल के बहुत करीब है।

प्यार का नया युग

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' फिल्म करण जौहर शैली में ताजा कहानी और शानदार स्टार कास्ट के साथ प्यार, पारिवारिक ड्रामा और हास्य लाने का वादा करती है। 'तुम क्या मिले' जो म्यूजिक चार्ट पर राज कर रहा है। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अभिनीत, यह फिल्म स्क्रीन पर फिर से जोड़ती है। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी हैं। फिल्म में भावनाओं, हास्य, रोमांस और पारिवारिक ड्रामा का मिश्रण है। करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित, 28 जुलाई को रिलीज होने के लिए तैयार है।

सुजॉय का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है : सोनम

बॉलीवुड स्टार सोनम कपूर आहूजा अपनी आने वाली रोमांचक थ्रिलर फिल्म 'ब्लाइंड' में नेत्रहीन पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी, जो बेरहम सीरियल-किलर को पकड़ने की कोशिश कर रही हैं। सोनम प्रोड्यूसर सुजॉय घोष को हिंदी सिनेमा में बेहद धारदार थ्रिलर फिल्मों के निर्माण में माहिर मानती हैं, इसी वजह से उन्होंने 'ब्लाइंड' में काम करने का फैसला लिया। सोनम कहती हैं, मेरे लिए 'ब्लाइंड' में काम करने का फैसला लेना बड़ा आसान था, क्योंकि सुजॉय घोष बेहद रोमांचक और दमदार थ्रिलर फिल्मों के मामले में ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है और मेरे लिए तो बस यह जानना ही काफी था कि 'ब्लाइंड' की कमान सुजॉय के हाथों में होगी। वे आगे कहती हैं, एक्टर के तौर पर मैं अपने प्रोड्यूसर और डायरेक्टर पर पूरा भरोसा करती हूं और मुझे खुशी है कि मुझे सुजॉय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस जॉनर में महारत हासिल है।

मिशन सीरीज से लगाव : रेबेका

टॉम क्रूज फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबलः डेड रेकनिंग पार्ट 1' के साथ ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। डेड रेकनिंग पार्ट वन में और अनुभवी फ्रेंचाइज रेबेका फर्ग्युसन की भी वापसी हुई है, जो मैकक्वेरी के पहले मिशन 'रोग नेशन' में निर्देशक के रूप इसका हिस्सा बनीं थी, और अद्भुत ढंग से अपने कैरेक्टर इल्सा फॉस्ट को कहानी के महत्वपूर्ण और जरुरी अंग के रूप में मजबूती दी थी। मैकक्वेरी का कहना है, मुझे इल्सा में कभी कोई दिलचस्पी नहीं थी, वह केवल एथन की खास प्रेमिका थी। फर्ग्युसन कहती हैं, हम सालों से उनके बीच जारी रिश्ते के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि ये बहुत कॉम्प्लेक्स है।

मुझे पूरा भरोसा है : अनिल कपूर

'द नाइट मैनेजर' के पहले भाग के बाद, संदीप मोदी श्रृंखला 'द नाइट मैनेजर' के दूसरे भाग के साथ तैयार हैं। श्रृंखला में अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर और शोभिता धूलिपाला प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दूसरे भाग की रिलीज से पहले, अनिल कपूर ने बताया, जब संदीप ने शॉट ओके किया तो मुझे कभी भी जाकर इसे जांचने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। मुझे उनकी रचनात्मक प्रवृत्ति पर पूरा भरोसा है। मैंने 99% शॉट्स नहीं देखे हैं। संदीप को सुष्मिता सेन-स्टारर 'आर्या' और 'द नाइट मैनेजर - पार्ट 1' का श्रेय दिया जाता है। जॉन ली कैरी के उपन्यास 'द नाइट मैनेजर' के इस हिन्दी रूपांतरण के रचनाकार तथा निर्देशक हैं संदीप मोदी, दूसरी निर्देशक हैं प्रियंका घोसे ।

नताशा की क्यूट सी लव स्टोरी

नताशा भारद्वाज को निखिल आडवाणी के शो मुंबई डायरीज में डॉ. दीया के किरदार के लिए आलोचनात्मक प्रशंसा मिली। नताशा अगली वेब 'इश्क नेक्स्ट डोर' में मुख्य भूमिका हैं, जो सरल और दिल को छूने वाली प्रेम कहानी है। लव ट्राएंगल के रोमांचक दायरे है। नताशा सरल, केंद्रित और दयालु लड़की है। नताशा कहती हैं, मैं काफी एक्साइटेड हूं, यह सम्मोहक कहानी है, जो मेरे साथ गहराई से जुड़ी है। इस प्यारी रोमांटिक प्रेम कहानी के लिए उत्सुक हूं। इसमें प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं, जिनमें नताशा भारद्वाज, अभय महाजन, पूरव झा और मृणाल दत्त हैं।

टीवी

मनमोहन तिवारी का नया प्यार

अभिनेत्री विजय लक्ष्मी माल्या एण्डटीवी के कॉमेडी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में मर्यादा का किरदार निभाएंगी। मर्यादा की मनमोहन तिवारी (रोहिताश्व गौड़) और अंगूरी (शुभांगी अत्रे) की शादीशुदा जिंदगी में तूफान लेकर आएगी। माल्या ने कहा, मर्यादा विभूति (आसिफ शेख) की दूर के रिश्ते की बहन है। वह अपनी जिंदगी में प्यार पाए बिना नहीं मरना चाहती है और भाई से उसके प्यार को ढूंढने में मदद करने के लिए कहती है। उन्होंने कहा, मैं पहली बार कॉमेडी शो कर रही हूं और इस शो की प्रशंसक रही हूं। अंगूरी का किरदार मेरा सबसे पसंदीदा किरदार है।

तूफानी रोमांस ड्रामा

मॉनसून में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'बरसातें - मौसम प्यार का' तूफानी रोमांस ड्रामा है, जिसमें दो जिद्दी लोगों का टकराव दिखाया गया है। न्यूजरूम के इर्द-गिर्द रची गई इस रोमांचक कहानी में दोनों ही जज्बातों के जाल में उलझ जाते हैं। कुशाल टंडन रेयांश लांबा के रोल में टेलीविजन पर वापसी कर रहे हैं। शिवांगी जोशी आराधना साहनी का रोल निभा रही हैं, जिसे पत्रकारिता का जुनून है। शो 10 जुलाई से सोमवार से शुक्रवार प्रसारित होने जा रहा है।

शिवांगी जोशी- बहुत-से लोग अनजान लोगों के प्यार में पड़कर धोखा खा जाते हैं। यही कॉन्सेप्ट और दिलचस्पी जगाएंगे।

कुशाल टंडन- मैं वापसी की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं। उसमें स्वाभाविक आकर्षण है, जिसके चलते महिलाएं उस पर मोहित हो जाती हैं। हालांकि उसे समझ पाना मुश्किल है। वो जज्बाती तौर पर लोगों से दूर रहता है और गुमान में रहता है, जिसे दूसरों की भावनाओं की कोई कद्र नहीं होती।

सोनाली बेंद्रे ने याद किया सरोज खान को

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो इंडियाज बेस्ट डांसर 3 में 'त्योहारों का त्योहार' स्पेशल एपिसोड होगा, जिसमें नवरात्रि के उत्साह को सामने लाते हुए शो की 'शेर बच्चा' अंजलि ममगई 'ढोली तारो ढोल बाजे' गाने पर डांस एक्ट प्रस्तुत करेंगी। जज सोनाली बेंद्रे उस वक्त को याद करेंगी, जब उन्हें स्वर्गीय कोरियोग्राफर सरोज खान ने गरबा सिखाया था। सोनाली ने बताया, हालांकि मैंने पहले कभी गरबा नहीं खेला था लेकिन 'दिल ही दिल में' का गाना 'चांद आया है' मेरा फेवरेट है। मैंने पहली बार यह डांस स्टाइल परफॉर्म किया था। सरोज जी इसे कोरियोग्राफ कर रही थीं और मैं उनके साथ पहली बार काम कर रही थी। मुझे डर था कि अगर मैं कुछ गलत कर दूंगी तो वे मुझ पर डांडिया स्टिक्स फेंक देंगी। मुझे उनकी नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। भले ही वो सख्तमिजाज थीं, लेकिन वो कमाल की टीचर थीं, आई लव हर।

किडनैपर बन गए अब्दु

जीटीवी का शो 'प्यार का पहला नाम राधामोहन' में कजाकिस्तान के सिंगर अब्दु रोजिक की एंट्री देखने को मिलेगी। अब्दु किडनैपर का कैमियो रोल करते नजर आएंगे। अब्दु ने कहा, मैं कैमियो रोल निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे किरदार का नाम है अब्दु और वो किडनैपर है। मुंबई आने के बाद मैंने बहुत-से शोज किए हैं लेकिन मैं काल्पनिक किरदार निभा रहा हूं। हालांकि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं जिंदगी में कभी खतरनाक दिखने की कोशिश में लगे किडनैपर का रोल निभाऊंगा। मुझे बहुत मजा आया। च

मैं बहुत खुश हूं : आदेश

जीटीवी का पॉपुलर शोमैत्री, मैत्री (श्रेनु पारिख) और नंदिनी (भाविका चौधरी) का सफर है। हाल ही में शो ने 7 साल का लीप लिया। आदेश चौधरी इसमें यश ठाकुर का रोल निभा रहे हैं। यश मैत्री के लिए भी जज्बात महसूस करता है। आदेश बताते हैं, मैं लगभग 5 साल बाद टेलीविजन पर वापसी कर रहा हूं लेकिन इस बार नए अवतार में लौटा हूं। मैं एक दशक बाद श्रेनु पारिख के साथ दोबारा काम कर रहा हूं। यश बहुत से ट्विस्ट्स और टर्न्स लेकर आएगा।

तारा की शादी सेनापति से होगी

सोनी सब का 'ध्रुव तारा - समय सदी से परे' ध्रुव को सजा देता है, जिससे हर कोई हैरान रह जाता है। महावीर ध्रुव को बचाने का इरादा रखता है। हालांकि, महावीर का किरदार निभाने वाले, कृष्णा भारद्वाज ने कहा, वे गंभीर दृश्य निभाना चुनौतीपूर्ण था, जहां महावीर को कठिन निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाता है। तारा का दिल टूटते देखकर और महावीर के साथ संबंध तोड़ने के उसके फैसले ने इस किरदार की जटिलता को और भी बढ़ा दिया है। यह मनोरंजक अनुभव था। शादी से जुड़ा रहस्य कहानी में मोड़ का इंतजार कराता रहेगा।

नील के मन में गहरी नफरत : मोहित

सोनी सब का पारिवारिक ड्रामा वंशज में मोहित कुमार को नील की भूमिका में है। मोहित कुमार ने बताया- मेरा किरदार नील विदुर विद्रोही बेटा है। नील के मन में उनके प्रति गहरी नफरत है। महाजन परिवार के साथ नील का रिश्ता जटिल है। योग्यता और विरासत से संबंधित चर्चा जटिल और बहुआयामी है। इसे किसी साधारण ये या फिर वो जैसी स्थिति में सीमित नहीं किया जा सकता। कहानी में कई नए पहलू जुड़ेंगे। उसका रिश्ता जटिलता और दिलचस्पी का तत्व जोड़ता जाएगा। शो के आगे बढ़ने के साथ ही, नील के किरदार में अप्रत्याशित मोड़ और भावनात्मक संघर्ष सामने आएंगे, जो शो की समग्र कहानी को और बेहतर बनाएंगे।

रश्मीत का रस्सी पर चलना

कलर्स के रियलिटी शो, 'खतरों के खिलाड़ी' 13वें सीजन के प्रतियोगी दक्षिण अफ्रीका के साहसी चुनौतियों का सामना करते हैं। रश्मीत कौर रस्सी पर चलते हुए एक इमारत से दूसरी इमारत में जाना चाहती हैं। रश्मीत कहती हैं, दक्षिण अफ्रीका में शूटिंग करना

बेहद रोमांचक रहा। मैं अपने ड्रीम स्टंट की प्रतीक्षा कर रही हूं, जो मुझे सचमुच नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। शानदार स्टंट-मास्टर, रोहित शेट्टी के मार्गदर्शन में रस्सी पर चलकर एक इमारत से दूसरी इमारत तक जाना किसी सपने के सच होने जैसा है। मैं हर चुनौती से जीतने के लिए तैयार हूं।

गरिमा ने की खुलकर बात

गरिमा जैन स्टार भारत के शो 'ना उम्र की सीमा हो' में साक्षी का किरदार निभा रही हैं। गरिमा ने सीमित कई विभिन्न भूमिकाएं निभाई हैं। गरिमा कहती हैं, मेरे लिए, स्क्रीन पर मिलने वाला स्पेस मायने नहीं रखता। जरूरी है कि मैं जो किरदार निभा रही हूं। मैंने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने और स्थाई छाप छोड़ने पर जोर दिया है। हर अवसर, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, वह मेरे लिए अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका है।

मानसून से जुड़े पसंदीदा पल

प्यार के मनमोहक मौसम के जश्न में, स्टार भारत शो की अभिनेत्रियों ने मानसून को लेकर अपनी पुरानी यादें साझा की। **स्नेहा वाघ** बताती हैं, मानसून हमेशा बचपन की यादों को

दोबारा याद दिलाता है। मुझे बारिश बहुत पसंद है क्योंकि यह पुरानी यादों में खोने पर मजबूर कर देता, मेरा पूरा परिवार छुट्टियों में मेरी नानी के घर जाता था। हम बाइक की सवारी करते थे, रोमांचकारी ट्रेक पर जाते थे और 'गरम गरम भुट्टा' का स्वाद भी लेते थे। **आयुषी खुराना** ने बताया कि, बारिश मेरे दिल में विशेष स्थान रखता है। मौसम बहुत आरामदायक और लुभावना हो जाता है। मानसून के दौरान मुंबई की सुंदरता और भी बढ़ जाती है और इस दौरान वड़ा पाव, समोसा पाव जैसे व्यंजनों और विशेष रूप से मैगी का आनंद लेने में बहुत मजा आता है। **दीपशिखा नागपाल** कहती हैं, मॉनसून मेरे

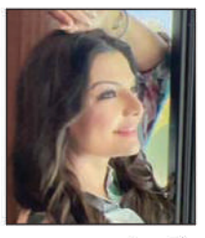

दिल के बहुत करीब हैं चूंकि मैं खुद मॉनसून बेबी हूं, जिसका जन्म अगस्त में हुआ है। मैं बारिश का आनंद लेने वाली महिला हूं। बारिश देखते ही पूरी कास्ट चाय और पकौड़ा पार्टी करने लगते हैं। मानसून रोमांस का मौसम है, हालांकि मैं अभी सिंगल हूं। मैं सॉफ्ट संगीत, स्वादिष्ट पकौड़े और गरम चाय मेरा पूरा साथ देते हैं।

हेमंत चालाक पटोला व्यवसायी

सोनी सब का पुष्पा इम्पॉसिबल शो की कहानी दिलचस्प मोड़ लेने के लिए तैयार है हेमंत खेर चालाक व्यवसायी विरेन सीतलवाड की भूमिका में नई चुनौतियां लाएगा। हेमंत ने कहा, मुझे जटिल और ग्रे किरदार को गहराई से समझने का मौका मिलता है। यह भूमिका निभाना अपने आप में चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं विरेन को उसकी पूरी कुशाग्रता, आकर्षण और चालाकी के साथ जीवंत करने के लिए उत्सुक हूं।

शिव के आधुनिक स्वरूप में अर्जुन

टीवी के जाने-माने एक्टर अर्जुन बिजलानी अपने अपकमिंग शो 'प्यार का पहला अध्यायः शिव शक्ति' के साथ एक बार फिर कमबैक कर रहे हैं। इस शो में अर्जुन बिजलानी और निक्की शर्मा की मैजिकल केमिस्ट्री नजर आएगी। भारत की आध्यात्मिक नगरी वाराणसी में रचा-बसा यह शो प्यार की एक खूबसूरत कहानी दिखाता है, जिसमें शिव-शक्ति के रिश्ते का आधुनिक स्वरूप प्रस्तुत किया जाएगा। अर्जुन इस शो में शिव (सीरियस इंसान) का रोल निभाते हुए नजर आएंगे जबकि निक्की, शक्ति (आशावादी लड़की) की भूमिका निभाते हुए दिखेंगी। अर्जुन ने बताया-

शो की कहानी - जैसा की नाम से ही पता चलता है कि यह एक प्रेम कहानी है। जैसे शक्ति के बिना भगवान शिव एक शव के समान है, वैसे ही इस शो के दोनों किरदार शिव और शक्ति दोनों एक दूसरे को पूर्ण करते हैं। शो की कहानी में शिव पास्ट में हुई एक घटना की वजह से टूटा हुआ है और शक्ति उसके जीवन में आती है उसका साथ देती है और उसे पूर्ण करती है। यही है शो की कहानी।

शूटिंग का अनुभव- वाराणसी एक आध्यात्मिक सिटी है। मैं पहले भी वहां दो बार जा चुका हूं। वहां के घाटों में एक अलग ही शक्ति महसूस होती है, मेरा पहला ही शॉट गंगा स्नान का था और उस दिन संयोग से गंगा दशहरा भी था। यह मेरे लिए एक वरदान जैसा था।

किरदार - शो में मैं शिव का किरदार निभा रहा हूं। शिव एक न्यूरोसर्जन है। शिव बहुत इंनोसेंट है और हमेशा सही का साथ देता है और सबकी मदद करता है।

को-स्टार के साथ अनुभव - निक्की नई कलाकार है और अपने किरदार को गहराई के साथ निभाती हैं। निक्की के साथ काम करके मजा आता है।

पसंदीदा सीन - पहला सीन (गंगा स्नान) मुझे बहुत पसंद है। इसके अलावा एक घर का सीन है जो मां के साथ फिल्माया गया है वह भी मेरे दिल के करीब है। जब आप वह सीन देखेंगे तो महसूस करेंगे कि मां बेटे के बीच क्या कितना इमोशनल रिश्ता है। हमारे शो में यह सीन काफी टचिंग है।

टीवी शो के साथ कमबैक - फैंस से कहना चाहूंगा कि फिक्शन टीवी बहुत सालों बाद कर रहा हूं। मैं अपनी तरफ से काफी कोशिश कर रहा हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं, बाकि मैं आप पर छोड़ता हूं।

■ प्रभा किरण

रेडी टू मूव

प्रापर्टी में हो सकता है फायदा

अगर आप संपत्ति खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आपके लिए रेडी टू मूव संपत्ति खरीदने का फैसला कारगर साबित हो सकता है। इस संपत्ति को खरीदने पर भवन स्वामी को कई तरह के फायदे हो सकते हैं। इसमें सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि संपत्ति को खरीदने के तुरंत बाद किराए पर चढ़ाकर कुछ आय अर्जित की जा सकती है।

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

संपत्ति के बाजार में खरीदारों और निवेशकों का एक वर्ग ऐसा भी है जो निर्माणाधीन अर्थात अंडर कंस्ट्रक्शन संपत्तियों के बजाय त्वरित इस्तेमाल के लिए यानी 'रेडी टु मूव' संपत्तियों को ज्यादा पसंद करता है। इसके पीछे दो मुख्य वजहें हैं। पहली यह कि ऐसी संपत्ति को उसका खरीदार पहले ही दिन से खुद इस्तेमाल कर सकता है या फिर उसे किराए पर चढ़ाकर प्रतिमाह लाभ अर्जित कर सकता है और दूसरी बात यह कि रेडी टु मूव संपत्ति खरीदने वाले ग्राहकों को संपत्ति पर कब्जे के लिए परेशान नहीं होना पड़ता, लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता और प्रापर्टी यदि किसी बिल्डर की हो तो कंस्ट्रक्शन में होने वाली देरी को लेकर भी उन्हें किसी तरह के झंझट का सामना नहीं करना पड़ता। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऐसी संपत्ति खरीदने के अपने कुछ अलग फायदे हैं। अगर आप भी ऐसी कोई संपत्ति खरीदने के लिए आगे बढ़ रहे हैं तो कुछ पहलुओं का ध्यान रखना जरूरी है।

टाइटल सर्च

टाइटल सर्च का अर्थ उस संपत्ति के स्वामित्व से है। अपने लेखों में मैं कई बार दोहरा चुका हूं कि कोई संपत्ति खुद नहीं कहती कि उसका स्वामी या मालिक कौन है अपितु इसकी जानकारी सिर्फ उसके कागजों से मिलती है। अगर आप भी ऐसी संपत्ति खरीदने जा रहे है तो सबसे पहले रेवेन्यू आफिस जाकर उस संपत्ति के मालिक का पता करें क्योंकि किसी भी निवेश से पहले यह परख लेना अत्यंत आवश्यक है कि आप जिससे वह संपत्ति ले रहे हैं वही उसका वास्तविक स्वामी है। संपत्तियों के बाजार में अक्सर ऐसा फर्जीवाड़ा होता है कि संपत्ति का मालिक कोई अन्य होता है जबकि उसकी बिक्री कोई दूसरा कर देता है। ऐसा निवेश आपके लिए जी का जंजाल बन सकता है।

कैसे हो टाइटल की पहचान

बहरहाल रेवन्यू आफिस के अलावा टाइटल की पहचान प्रापर्टी टैक्स से जुड़े कागजातों से भी संभव है। साथ ही यदि उस संपत्ति के मालिक ने उस संपत्ति को किसी बैंक के पास गिरवी रखा हो तो बैंक से भी उसके मालिक का पता लगाया जा सकता है। टाइटल सर्च के लिए आप अपने उन शुभचिंतकों की सलाह भी ले सकते है जिन्हें संपत्तियों की खरीद-फरोख्त की जानकारी हो अथवा मामूली फीस पर पेशेवर वकील भी इस काम में आपका मददगार साबित हो सकता है।

पुरानी न हो रेडी टू मूव प्रापर्टी

संपत्ति की उम्र और गुणवत्ता टाइटल की सही-सही जानकारी पता करने के बाद आपको यह जानना चाहिए कि जो संपत्ति आप खरीद रहे है वह कितने साल पहले बनी थी साथ ही उसके निर्माण की गुणवत्ता कैसी है। यह याद रखें कि अच्छी गुणवत्ता वाली संपत्तियों की उम्र सामान्य तौर पर 70 से 80 वर्षों की मानी जाती है। साथ ही जिस संपत्ति का निर्माण जितना पुराना होगा उसकी कीमत नई निर्मित संपत्तियों की तुलना में कम ही रहेगी। वहीं दूसरी तरफ निर्माण की गुणवत्ता के बारे में उसी जगह पर रहने वाले लोगों या फिर उस क्षेत्र विशेष के प्रापर्टी डीलरों से जानकारी हासिल की जा सकती है। अपने विश्वास का और पुख्ता करने के लिए आप स्ट्रक्चरल इंजीनियर की सहायता भी ले सकते है। मौजूदा समय में ऐसी कई पेशेवर कंपनियां भी है जो कुछ जांचें करके किसी इमारत की गुणवत्ता और उसके भविष्य के बारे में आपको सही अनुमान दे सकती है।

नजदीक हों शापिंग व परिवहन सुविधाएं

आप जहां संपत्ति ले रहे हैं वहां आपको दूध, ब्रेड, सब्जी, काम चलाने भर का राशन जैसी चीजें आसानी से उपलब्ध हो पाएंगी या नहीं इसकी परख भी जरूरी है। आम तौर पर अथॉरिटीज और बिल्डर्स अपनी परियोजनाओं में कन्वीनियंट शॉपिंग का प्रावधान जरूर रखते हैं जहां से आप दिन-प्रतिदिन काम आने वाली चीजें खरीद सकते हैं। साथ ही सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं भी संपत्ति के नजदीक होनी चाहिए। इन सुविधाओं के अभाव में ऐसी जरूरतें पूरी करने के लिए कई किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ सकती है। वैसे ऑनलाइन शॉपिंग और तमाम एप्स की मौजूदगी वाले इस दौर में लोग कन्वीनियंट शॉपिंग को अक्सर नजरअंदाज कर जाते हैं। साथ ही बाद में उन्हें पता चलता है कि जिन ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के भरोसे उन्होंने वहां संपत्ति खरीदी है वहां तक वह सामान नहीं भिजवातीं और यदि भिजवाती हैं तो उसके लिए अतिरिक्त शुल्क लेती हैं।

भूकंपरोधी संपत्ति बेहतर

संपत्ति खरीदने से पहले एक बात जरूर याद रखें कि उत्तरी भारत का एक बड़ा भूभाग भूकंप के लिहाज से बेहद ही संवेदनशील हिस्से में गिना जाता है ऐसे में संपत्ति की मजबूती और भूकंपरोधी मानकों को नजरअंदाज करना प्राकृतिक आपदा की स्थिति में आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

वेलफेयर एसोसिएशन

आप जहां संपत्ति ले रहे है क्या वहां रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) गठित हो चुकी है या नहीं इसकी जानकारी भी लें। यदि एसोसिएशन का गठन हो गया हो तो उसके सदस्यों से भी जरूर मिलें और उस क्षेत्र की खूबियों व खामियों पर विमर्श करें। वेल्फेयर एसोसिएशन कामन स्पेस की साफ-सफाई, हरियाली, बिजली-पानी की सुविधाओं को लेकर कितनी मुखर है इस बारे में आप वहां रहने वाले लोगों से जान सकते है। इन बातों को जेहन में रखते हुए अगर आप कोई रेडी टु मूव प्रॉपर्टी खरीद रहे है तो निश्चय ही न सिर्फ आपका जीवन आसान होगा बल्कि दूसरी सुविधाओं का पूरा लाभ भी मिल सकेगा।

आय एवं जीवन स्तर

आप अपनी पसंद की संपत्ति किस आय वर्ग से ले रहे हैं और आपकी संभावित संपत्ति के आसपास किस आय वर्ग के लोग रहते हैं। इस बारे में भी जानकारी जरूर जुटाएं। आय वर्ग के लिहाज से एक कमरे वाली संपत्तियों को जनता या फिर स्टूडियो दो कमरे वाली को लोअर इनकम ग्रुप, तीन कमरे मिडिल इनकम जबकि चार कमरों वाली संपत्तियों को हायर इनकम ग्रुप में विभाजित किया जा सकता है। अगर आप तीन या चार कमरे वाली संपत्ति ले रहे हैं और उस जगह पर एक और दो कमरों वाली संपत्तियों की अधिकता हो तो संभव है कि भविष्य में आपको उस जगह अपना रहन-सहन पसंद न आये, इसलिए जब रेडी टु मूव संपत्ति ही आपको खरीदनी हो तो अपने आसपास के लोगों का जीवन स्तर भी जरूर परख लें जिससे भविष्य में आपको या आपके बच्चों को परेशानी का अनुभव न हो।

कितनी होगी आपकी

ग्रेच्युटी की रकम

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

देश में काम कर रही सभी घरेलू व बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने कर्मचारियों को भारतीय कानून के तहत ग्रेच्युटी का भुगतान करती हैं। ग्रेच्युटी की गणना कैसे की जाती है, कौन सा कर्मचारी ग्रेच्युटी का हकदार है, किस कर्मचारी को कितनी ग्रेच्युटी मिलेगी इन सभी सवालों के जवाब आज के इस लेख में हम ढूंढने की कोशिश करते हैं

नौकरीपेशा वर्ग का कोई व्यक्ति जब रिटायरमेंट के नजदीक पहुंचता है या नौकरी बदलता है तो उसके मन में एक जिज्ञासा होती है कि उसे ग्रेच्युटी कितनी मिलेगी। सरकार द्वारा कर्मचारियों की ग्रेच्युटी के लिए बनाए गए नियम एकदम स्पष्ट हैं। ग्रेच्युटी कानून के तहत ऐसी सभी कंपनियां शामिल की जाती हैं जिनमें दस अथवा दस से ज्यादा कर्मचारी काम करते हों। सभी कंपनियां सरकार के ग्रेच्युटी कानून के अनुसार ही ग्रेच्युटी का भुगतान करती हैं। यहां पर सवाल यह उठता है कि ग्रेच्युटी के हकदार कौन से कर्मचारी होते हैं और ग्रेच्युटी की गणना किस तरह की जाती है। आइए आज हम ग्रेच्युटी से जुड़े इन तमाम पहलुओं को जानने की कोशिश करते।

किसे मिल सकती है ग्रेच्युटी

किसी एक संस्था में लगातार पांच साल या इससे ज्यादा की अवधि तक काम करने वाला कर्मचारी ग्रेच्युटी का हकदार होता है। यानी कि जितनी लंबी नौकरी की अवधि उतना ज्यादा ग्रेच्युटी की रकम। अगर उसकी नौकरी पांच साल से कम है तो उसकी संस्था उसे ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है। अगर कर्मचारी पांच साल के बाद किसी भी समय नौकरी छोड़ता है या रिटायर हो जाता है तो कंपनी उसे प्रत्येक वर्ष के लिए उसके 15 दिन के मूल वेतन के बराबर की धनराशि ग्रेच्युटी के रूप में देती है। सैलरी की गणना में मूल वेतन और महंगाई भत्ते का जोड़ शामिल किया जाएगा।

गैर पंजीकृत कंपनी दे सकती है ग्रेच्युटी

अगर कोई कंपनी ग्रेच्युटी कानून के तहत पंजीकृत नहीं है तो भी वह अपने कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का भुगतान कर सकती है। लेकिन गैर पंजीकृत कंपनियों के लिए ग्रेच्युटी की गणना के नियम अलग हैं। इसके फार्मूले में ग्रेच्युटी की कुल रकम, हर साल के लिए आधे महीने की सैलरी के बराबर ही होगी लेकिन एक माह काम करने वाले दिनों की संख्या 30 ही मानी जाएगी। इन 30 दिनों में से चार दिन का अवकाश नहीं काटा जाएगा।

ज्यादा ग्रेच्युटी भी दे सकता है नियोक्ता

कोई भी कंपनी चाहे तो अपने कर्मचारियों को ज्यादा ग्रेच्युटी का भुगतान कर सकती है। इस तरह के कुछ उदाहरण आईटी सेक्टर की कुछ कंपनियों में देखने को मिले हैं। यह फार्मूला इसलिए बनाया गया है कि ग्रेच्युटी की रकम कम से कम कितनी होनी चाहिए। हालांकि नियम के मुताबिक अधिकतम 20 लाख रुपए से अधिक ग्रेच्युटी नहीं दे सकते।

कर्मचारी की मौत पर ग्रेच्युटी की गणना अलग तरह से

नौकरी के दौरान किसी कर्मचारी की मौत होने पर ग्रेच्युटी तय करने का फार्मूला कुछ अलग है। ऐसे मामलों में ग्रेच्युटी की रकम कर्मचारी के मूल वेतन और उसकी सेवा अवधि के आधार पर तय की जाती है। लेकिन सेवा अवधि के आधार पर वेतन के दो गुना से लेकर 33 गुना तक ज्यादा ग्रेच्युटी का प्रावधान है। लेकिन वेतन के 33 गुना से ज्यादा ग्रेच्युटी नहीं दी जा सकती।

कर छूट का फायदा भी

सरकार ने ग्रेच्युटी कानून के तहत 20 लाख रुपए तक की ग्रेच्युटी को टैक्स से छूट प्रदान की है। पहले यह सीमा दस लाख रुपए थी इसलिए मार्च 2018 के बाद रिटायर होने वाले या नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों को 20 लाख रुपए तक की ग्रेच्युटी पर टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है। अगर कोई कंपनी अपने किसी कर्मचारी को ग्रेच्युटी की गणना में आई रकम से ज्यादा ग्रेज्युटी देती है तो इस अतिरिक्त रकम पर टैक्स छूट नहीं मिलेगी। इसके अलावा ग्रेच्युटी एक्ट के तहत न आने वाली कंपनियों के कर्मचारियों को अगर उनकी कंपनी ग्रेच्युटी देती है तो उन्हें सिर्फ दस लाख रुपए तक की ग्रेच्युटी पर ही कर छूट मिलेगी।

गणना का फार्मूला

ग्रेच्युटी की गणना करना काफी आसान होता है। कोई भी कर्मचारी नौकरी छोड़ने से पहले या रिटायरमेंट से पहले इस बात का पता स्वयं कर सकता है कि उसे कितनी ग्रेच्युटी मिलेगी। ग्रेच्युटी कानून के तहत पंजीकृत कंपनियों व अन्य संस्थानों के कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की की गणना के लिए अंतिम वर्ष के मूल वेतन की रकम को को नौकरी के कुल वर्ष से गुणा करें और इससे जो परिणाम आए उसे 15 से फिर गुणा करें। इसके बाद जो परिणाम है उसे 26 से भाग दे दें। ऐसा करने से ग्रेच्युटी की कुल रकम पता चल जाएगी। इसे इस तरह कह सकते हैं।

ग्रेच्युटी की रकम = अंतिम सैलरी X नौकरी के वर्ष X 15/26

उदाहरण : मान लीजिए महेश गोविल का मूल वेतन 20 हजार रुपए है। उसने एक कंपनी में 30 वर्ष नौ माह तक काम किया और रिटायर हो गया। यहां पर वर्षों की संख्या 30 की जगह 31 मानी जाएगी। आठ माह काम करने को एक साल काम करने के बराबर माना जाएगा। चूंकि अगर नौकरी का अंतिम वर्ष पूरा नहीं हुआ है तो अगर वह छह माह से ज्यादा होगा तो उसे पूरा साल माना जाता है। अगर छह माह से कम होता है तो गणना में उसे माह के तौर पर ही शामिल किया जाएगा। ऐसे में गोविल की ग्रेच्युटी की गणना इस प्रकार होगी।

ग्रेच्युटी की रकम = 20,000X31X15/26 = ₹357692

गणना में 15/26 का इस्तेमाल

इस फार्मूले में 15/26 के इस्तेमाल का तात्पर्य यह है कि कर्मचारी को नौकरी के हर वर्ष के बदले आधे माह यानी 15 दिन की सैलरी ग्रेच्युटी के रूप में दी जाती है। इसी तरह 26 को गणना में इसलिए शामिल करते हैं क्योंकि यह माना जाता है कि 30 दिन के माह में चार दिन का साप्ताहिक अवकाश होता है अतः 26 दिन काम करने पर पूरा वेतन बनता है। इसलिए इस फार्मूले में आधे महीने की सैलरी रखने के लिए 15/30 की बजाए 15/26 को शामिल किया गया है।

वाहन बीमा

मानसून के दौरान

ऐड आन कवर जरूरी

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

हाल ही देश की प्रमुख कार कंपनी ने अपनी एसयूवी के एक नए माडल को बाजार में उतारने का ऐलान किया। हालांकि इस माडल को लांच करने की घोषणा लगभग 20 दिन पहले ही की गई थी और आपको यह जानकर हैरत होगी कि सिर्फ 20 दिनों में 21 लाख रुपए की कीमत वाली इस एसयूवी के ग्राहकों ने 6240 वाहनों की बुकिंग करा डाली अगर देखा जाए तो आप यूं भी कह सकते हैं कि गाड़ी लांच होने से पहले ही ग्राहकों ने कंपनी को 1300 करोड़ रुपए की बिक्री के प्रति आश्वस्त करते हुए काफी ज्यादा रकम अग्रिम में ही अदा कर दी। इस उदाहरण के जरिए यहां पर मैं सिर्फ यह बताना चाहता हूं कि व्यक्ति गाड़ी तो महंगी से महंगी खरीद लेता है लेकिन जानकारी के अभाव में वह अपने वाहन के लिए वैसी बीमा पालिसी नहीं खरीद पाता जैसी कि उसे जरूरत होती है। वाहन बीमा अनिवार्य होने के बावजूद जानकारी न होने के कारण कार खरीदने वाला व्यक्ति समुचित कार बीमा नहीं खरीद पाता। बीमा सलाहकार, आटोमोबाइल डीलर या एजेंट जिस तरह की बीमा पालिसी दिला देता है कार खरीदने वाला व्यक्ति वैसी ही पालिसी खरीद लेता है।

मानसून में वाहनों का बीमा

देश के अधिकतर शहरों में वर्षा जल निकासी की पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण मानसून के दौरान लगभग सभी शहरों की सड़कों पर जलभराव हो जाता है। ऐसे में वाहन चलाना भी चुनौती भरा हो जाता है। कितनी भी सावधानी बरती जाए गाड़ी में कुछ न कुछ नुकसान होने का भय बना रहता है। अगर वाहन को कोई नुकसान होता है तो उसका सीधा असर परिवार की वित्तीय स्थिति पर पड़ता है और इससे परिवार की परेशानियां बढ़ती हैं। एक तरफ तो जीवन बीमा की जरूरत रहते हुए भी लोगों को घंटों समझाने के बाद भी वे एक मिनट में कह देते हैं कि 'नहीं, अभी जीवन बीमा नहीं लूंगा, तो दूसरी तरफ ठीक इसके उलट जब भी कोई वाहन क्रय करके शोरूम से निकाला जाता है तो उस वाहन का बीमा अनिवार्य रूप से कराया जाता है। इसकी मुख्य वजह यह है कि वाहनों का बीमा कराना वाहन स्वामी की कानूनी बाध्यता है।

किसी भी तरह के वाहन का बीमा कराना अनिवार्य होता है। यह बीमा वाहन के शोरूम से निकलने से पहले ही डीलर के यहां उपस्थित बीमा कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा कराया जाता है। अगर यही बीमा पालिसी जरा चोच विचारकर खरीदी जाए तो वाहन स्वामी को इसके कई फायदे हो सकते हैं।

वर्षा ऋतु में बरतें अतिरिक्त सावधानी

कहते हैं बीमा कंपनियों द्वारा वाहन बीमा के लिए दिया जाने वाला कांप्रिहेंसिव प्लान वास्तव में सभी कुछ कवर नहीं करता। मानसून के दौरान जब ज्यादा बारिश हो जाती है तो देश के लगभग सभी शहर पानी-पानी हो जाते हैं। इस कारण सड़कों पर जलभराव के कारण जाम लग जाता है। सड़कों पर पानी भरा होने के कारण कार या दुपहिया के इंजन में पानी चले जाने की शिकायतें भी इस मौसम में मिल रही हैं। ऐसे में अगर जलभराव के कारण आपकी कार कहीं फंस गई है और उसका इंजन खराब हो गया है तो ऐसे में बीमा कंपनी द्वारा बीमा का क्लेम नहीं दिया जाएगा।

इंजन का कवर नहीं

कांप्रिहेंसिव बीमा प्लान कहने को तो अपने आप में संपूर्ण बीमा प्लान है। वर्षा के मौसम में अगर किसी वाहन के इंजन में पानी चले जाने के कारण कोई खराबी आ जाती है तो इंजन की रिपेयरिंग पर जो भी खर्च आएगा उसका भुगतान आपको स्वयं अपनी पाकेट से करना होगा। इसके लिए बीमा कंपनी किसी तरह का क्लेम नहीं स्वीकार करेगी। अलबत्ता इंजन का बीमा कवर लेने के लिए ऐड आन कवर लेना होगा।

इंजन प्रोटेक्शन ऐड-ऑन कवर लें

सामान्य तौर पर कार के इंजन में खराबी को ठीक कराने में काफी रकम खर्च हो जाती है। वैसे भी वाहन का सर्वाधिक जरूरी अंग उसका इंजन ही होता है। इंजन प्रोटेक्शन ऐड-ऑन कवर के जरिए कार के इंजन में पानी घुस जाने से होने वाले नुकसान जिसमें कि इंजन के कल-पुर्जो के बदलने का खर्च भी समाहित होता है, उसकी भी भरपाई होती है।

24 घंटे रोड साइड ऐड-आन कवर

अगर किसी वाहन स्वामी की गाड़ी किसी जलभराव में फंस जाती है और इससे गाड़ी के इंजन में पानी चला जाता है तो 'चौबीस घंटे रोड साइड ऐड आन' कवर काफी फायदेमंद साबित होता है। यह ऐड-आन कवर आपकी कार को 'टो करकेनजदीकी कार गेराज में ले जाकर उसमें हुए समस्या का समाधान कराने में सहायक सिद्ध होता है।

ऐड आन का प्रीमियम कम

मानसून के दौरान इस तरह का ऐड आन कवर जहां वाहन स्वामी के लिए मददगार बनता है वहीं इस ऐड-ऑन का प्रीमियम भी बहुत ही कम रहता है जबकि इससे मिलने वाली सुविधाएँ अच्छी होती है। यूं तो मशीनरी वस्तुओं में कभी भी कोई भी गड़बड़ी हो सकती है, किन्तु बरसात के मौसम में वाहन में खराबी आने की संभावना अधिक हो जाती है, ऐसे में किसी भी बड़ी मुसीबत में फंस जाने के उपरान्त 24 घंटे रोड साइड ऐड-आन कवर ही काम आता है, यह बहुत जरूरी बीमा है 7 ऐसे बीमित वाहन पर कम्पनी हर प्रकार के कवरेज प्रदान करती है।

जीरो डेप्रिसिएशन ऐड-आन

जीरो डेप्रिसिएशन ऐड आन कवर मानसून में यह बहुत ही कारगर साबित होता है। यह ऐड आन कार में होने वाले नुकसान की पूर्ण भरपाई तो करता ही है साथ ही वाहन की बैटरी व टायर ट्यूब को भी कवर प्रदान करता है। कार में लगे प्लास्टिक, रबर और फाइबर के तमाम कलपुर्जों का 50 फीसद खर्च भी इसके कवर में शामिल कर लिया जाता है।

क्लेम में मिल सकती है नई कार

यदि बीमा कम्पनी को ऐसा प्रतीत होता है कि मानसूनी बारिश के कारण वाहन इतना ज्यादा खराब स्थिति में पहुच गया है कि अब उसकी मरम्मत भी नहीं हो सकती। तो ऐसी स्थिति में अगर वाहन स्वामी के पास ऐड आन कवर है तो बीमा कंपनी उसे नया वाहन खरीदने के लिए पैसे भी दे सकती है। यही ऐड आन वाहन चोरी होने या बाढ़ में वाहन बह जाने पर भी कारगर साबित होता है।

दलीप ट्रॉफी : पश्चिम क्षेत्र फाइनल में पहुंचा, दक्षिण क्षेत्र से होगा खिताबी मुकाबला

बारिश के कारण पहली पारी में बढ़त के आधार पर हुआ फैसला

एजेंसी ▶▶| अलूर

पश्चिम क्षेत्र ने मध्य क्षेत्र के खिलाफ शनिवार को यहां ड्रा छूटे सेमीफाइनल मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल 12 जुलाई से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा जिसमें पश्चिम क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। मध्य क्षेत्र 390 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 128 रन ही बना पाया।

बारिश के कारण चाय के विश्राम के बाद का खेल नहीं हो पाया। पश्चिम क्षेत्र के पास बाकी बचे छह विकेट हासिल करके जीत दर्ज करने का मौका था लेकिन बारिश के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। पश्चिम क्षेत्र ने हालांकि पहली पारी में 92 रन की बढ़त हासिल की थी जो मैच ड्रॉ होने पर फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त थी।

पुजारा ने जमाया था शतक

पश्चिम क्षेत्र ने पहली पारी में 220 रन बनाए थे जिसके जवाब में मध्य क्षेत्र की टीम 128 रन ही बना पाई थी। भारतीय टीम से बाहर चल रहे चेतेश्वर पुजारा के 133 रन की मदद से पश्चिम क्षेत्र ने अपनी दूसरी पारी में 297 रन बनाए। मैच के चौथे और अंतिम दिन पश्चिम क्षेत्र ने अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 292 रन से आगे बढ़ाई लेकिन इसमें केवल पांच रन जोड़ने के बाद की पूरी टीम आउट हो गई।

रिंकू सिंह ने बनाए 40 रन

बड़े लक्ष्य के सामने मध्य क्षेत्र में सलामी बल्लेबाज विवेक सिंह और हिमांशु मंत्री के विकेट जल्दी गंवा दिए जिससे इसको दो विकेट पर 17 रन हो गया। ध्रुव जुरेल (25) ने अच्छी शुरुआत की लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्र जडेजा ने उन्हें विकेटकीपर हेत पटेल के हाथों स्टंप आउट करा दिया। इससे स्कोर तीन विकेट पर 55 रन हो गया। रिंकू सिंह ने 30 गेंदों पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। बारिश के कारण जब मैच ड्रॉ करने का फैसला किया गया तब अमनदीप खरे 27 और उपेंद्र यादव 18 रन बनाकर खेल रहे थे।

दक्षिण क्षेत्र ने उत्तर क्षेत्र को दो विकेट से हराया

बेंगलुरु। तमिलनाडु के आर साई किशोर ने शनिवार को यहां बारिश से बाधित दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के अंतिम रोमांचक दिन शानदार हरफनमौला प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण क्षेत्र ने उत्तर क्षेत्र को दो विकेट से पराजित कर दिया। आसमान बादलों से भरा था, 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण क्षेत्र ने मयंक अग्रवाल की 54 और कप्तान हनुमा विहारी की 43 रन की पारी से इसके करीब पहुंचने की ओर कदम बढ़ाए।

बारिश के कारण दो बार खेल में खलल डली। इसमें से एक बार तो खेल करीब दो घंटे तक रूका रहा जो अंतिम सत्र से पहले था। दक्षिण क्षेत्र को तब जीत के लिए 32 रन की दरकार थी। पांच विकेट बचे थे। राणा और बलतेज के दोहरे झटकों से दक्षिण क्षेत्र का स्कोर आठ विकेट पर 213 रन हो गया था, टीम ने महज 22 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। साई किशोर ने नाबाद 15 रन बनाकर फिनिशर की भूमिका निभाई।

खबर संक्षेप

मनिका की प्री क्वार्टर में संघर्षपूर्ण हार

लजुब्लजाना। भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा यहां डब्लूटीटी स्टार कंटेंडर लजुब्लजाना टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में रोमानिया की बर्नाडेट सजोक्स के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार गईं। प्रतियोगिता में इससे पहले विश्व में 15वें नंबर की चेन आई-चिंग को हराने वाली मनिका अंतिम 16 के मुकाबले में विश्व में 17वें नंबर की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 4-11, 11-9, 7-11, 11-9, 8-11 से हार गई। मनिका अभी विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर काबिज हैं लेकिन यहां प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर उनकी रैंकिंग में सुधार होने की संभावना है।

मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रति ओवर दो बाउंसर की अनुमति

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने टी20 प्रारूप में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक ओवर में दो बाउंसर करने की अनुमति दे दी है। बीसीसीआई ने शनिवार को यह घोषणा की। यह फैसला शुक्रवार को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक में लिया गया। बीसीसीआई ने बयान में कहा, 'बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए बीसीसीआई ने आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रति ओवर में दो बाउंसर की अनुमति देने का फैसला किया है।'

विंबलडन : छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने तीन सेट में जीता मैच

बोपन्ना-एबडेन का जीत से आगाज जोकोविच चौथे दौर में, मरे बाहर

एजेंसी ▶▶| विंबलडनी

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके पुरुष युगल जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने यहां अर्जेंटीना के गुइलेर्मो डुरान और टॉमस एचेवेरी की जोड़ी को एक संघर्षपूर्ण मैच में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारत और ऑस्ट्रेलिया की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले दौर के मैच में अर्जेंटीना की जोड़ी को 6-2, 6-7 (5-7), 7-6 (10-8) से हराया। यह मैच दो घंटे 12 मिनट तक चला।

इस साल की शुरुआत में एटीपी टूर पर दो युगल खिताब जीतने वाले 43 वर्षीय बोपन्ना और 35 वर्षीय एबडेन का अगला मुकाबला रविवार को जैकब फर्नले और योहानस मंडे की गैर वरीय ब्रिटिश जोड़ी से होगा।

बोपन्ना और एबडेन ने फरवरी में कतर ओपन का खिताब जीता जबकि मार्च में भारतीय खिलाड़ी अमेरिका में इंडियन वेल्स में मास्टर्स सीरीज टूर्नामेंट (एटीपी1000) जीतने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना था। बोपन्ना ने तब कनाडा के डेनियल नेस्टर का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2015 में 42 साल की उम्र में सिनसिनाटी मास्टर्स का खिताब जीता था।

महान टेनिस खिलाड़ी हेनिन को आईटीएफ का सर्वोच्च पुरस्कार

लंदन। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने जस्टिन हेनिन को अपने सर्वोच्च पुरस्कार 'फिलिप चैटरियर अवार्ड' से नवाजा। यह पुरस्कार आईटीएफ के पूर्व अध्यक्ष के नाम पर शुरु किया गया जो कोर्ट के अंदर और बाहर खेल में शानदार योगदान के लिए दिया जाता है। हेनिन ने सात ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं, इसके अलावा उनके नाम ओलंपिक स्वर्ण पदक भी है। वह बेल्जियम की उस टीम का हिस्सा थीं जिसने 2001 में फेड कप जीता था जिसे अब 'बिली जीन किंग कप' कहा जाता है। आईटीएफ अध्यक्ष डेविड हैगर्टी ने शनिवार को कहा, 'वह कोर्ट पर अपनी पीढ़ी की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शुमार थीं और संन्यास लेने के बाद भी उन्होंने सभी स्तर पर हमारे खेल में बेहतरीन योगदान दिया है।'

नोवाक ने वावरिंका को हराया

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने स्टैन वावरिंका को 6-3, 6-1, 7-6 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। शुक्रवार की रात मुकाबले में 23 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच अंतिम टाईब्रेकर में 5-3 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दबदबा बनाते हुए आखिरी चार अंक अपनी झोली में डालकर अपने लगातार पांचवें विम्बलडन खिताब की ओर कदम बढ़ाए।

मरे दो दिन तक संघर्ष कर हारे

ब्रिटिश खिलाड़ी एंडी मरे का सफर दो दिन तक चले दूसरे दौर के मैच में पांच सेट तक चले मुकाबले में खत्म हो गया। दो बार के विम्बलडन चैम्पियन मरें को साढ़े चार घंटे से भी ज्यादा समय में स्टेफानोस सिटसिपास ने 7-6 (3), 6-7 (2), 4-6, 7-6 (3), 6-4 से पराजित किया। ब्रिटेन के दो अन्य खिलाड़ी कैम नौरी और वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले लियाम ब्रॉडी भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

सिंधू की आसान जीत, लक्ष्य ने भी सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| कैलगरी

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके यहां कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली सिंधू ने शुक्रवार की रात को खेले गए महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में फैंग जी को आसानी से 21-13, 21-7 से हराया।

■ कनाडा ओपन : सिंधू ने फैंग जी को 21-13, 21-7 से हराया

यह इस खिलाड़ी के खिलाफ उनकी चार मुकाबलों में पहली जीत है। सेन ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जर्मन क्वालीफायर जूलियन कैरागी को 21-8, 17-21, 21-10 से हराया। सिंधू का मुकाबला अब दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की यामागुची से जबकि सेन का जापान के ही चौथी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से होगा। पीवी सिंधू का जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 है। इन दोनों के बीच पिछला मुकाबला पिछले साल सिंगापुर ओपन में खेला गया था जिसमें जापानी खिलाड़ी ने जीत दर्ज की थी। दूसरी तरफ सेन का निशिमोतो के खिलाफ रिकॉर्ड 1-1 से बराबर है।

सिंधू और फैंग के मैच का रोमांच

सिंधू ने फैंग जी के खिलाफ अच्छी शुरुआत की और 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। इंटरवल तक भारतीय खिलाड़ी 11-6 से आगे थी। सिंधू ने कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया। फैंग जी ने इसके बाद वापसी की कोशिश की और स्कोर 12-16 कर दिया लेकिन सिंधू ने उन्हें आगे मौका नहीं दिया और पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। फैंग जी ने दूसरे गेम के शुरू में 5-1 से बढ़त बनाई लेकिन सिंधू ने जल्द ही वापसी की और इंटरवल तक वह 11-5 से आगे थी। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने में देर नहीं लगाई।

बिजनेस साइट

नाबार्ड ने पंचायती राज संस्थानों में यूपीआई को अपनाने की मीटिंग

रायपुर। वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफ़एस) के अनुरोध पर नाबार्ड ने क्षेत्रीय कार्यालय में शनिवार को मीटिंग किया है। इसमें क्षेत्रीय कार्यालय में पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) द्वारा यूपीआई आधारित कैशलेस लेनदेन को अपनाने से पहले हितग्राहियों से चर्चा किया है। इसका उद्देश्य प्रदेश में पंचायती राज संस्थानों में भीम-यूपीआई को अपनाने और सुविधा प्रदान करना था। प्रदेश में 11654 ग्राम पंचायतें, 146 ब्लॉक पंचायतें और 27 जिला पंचायतें हैं। मीटिंग में नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. ज्ञानेंद्र मणि और निदेशक शीतल शास्वत ने कई तरह के दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में महाप्रबंधक शीतांशु शेखर, शैली जमुआर, उप महाप्रबंधक ध्रुवराज सिंह, बीपी मिश्रा ने राज्य ग्रामीण बैंक और एसबीआई पेमेंट सिस्टम से जुड़े अधिकारियों को भी शामिल किया गया। इनके बीच मीटिंग की शुरूआत एनपीसीआई की एक प्रस्तुति के साथ हुई। इसमें भीम-यूपीआई, क्यूआर कोड और कैशलेस लेनदेन को अपनाने की प्रक्रिया से जुड़े विषयों को शामिल किया गया। डॉ. मणि ने पंचायती राज मंत्रालय के आदेश को डीएफएस द्वारा दोहराए जाने के बारे में जानकारी दी। सभी हितधारकों को सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी पीआरआई 15 अगस्त 2023 तक यूपीआई के अनुरूप हों और राज्य सरकार से आग्रह किया कि 15 अगस्त 2023 को पीआरआई को भीम-यूपीआई अनुवर्ती के रूप में घोषित करें। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए उनके बैंक खातों को यूपीआई प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए अपने संबंधित बैंकों से यूपीआई आईडी/वीपीए प्राप्त करने के लिए संपर्क करना होगा है। इससे खाता लिंक भुगतान सुविधा मिलेगी।

नारायणा हॉस्पिटल के डॉ.गौरव खेमका ने की अति दुर्लभ सर्जरी

रायपुर। अभी तक हम 14 साल की उम्र के बच्चे के जबड़े में सामान्यतः 32 दाँत ही सुनते आए हैं, लेकिन कांकेर निवासी नकुल के केवल ऊपरी जबड़े में ही असामान्य रूप से ऊगे छोटे-बड़े 32 दांतो यानी कुल 58 दांतों को देखकर सभी अचंभित रह गए। मरीज के पिता ने बताया कि एक साल पहले नकुल के ऊपरी जबड़े में सूजन आने लगी थी। दर्द तो ज्यादा नहीं था, लेकिन ऊपरी जबड़ा कुछ असामान्य सा था। उसके पैदायशी दांत अभी तक टूटे नहीं थे। युवा के पक्के दांत अभी तक नहीं आए थे। इसी परेशानी को लेकर लोकल स्तर पर दिखाया जहां एक्स-रे एवं सीटी स्कैन में पता चला कि बच्चे के ऊपरी जबड़े में ट्यूमर है। इसका इलाज वहां नहीं था, अतः हम लोग देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल के मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ.गौरव खेमका के पास पहुंचे। उन्होंने बच्चे की सघन जांच में पाया कि उसके जबड़े में एक दुर्लभ किस्म का ट्यूमर है। जिसे ऑपरेट करने में डॉ. खेमका की टीम को 2 घंटे से भी ज्यादा समय लग गया। हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.सुनील खेमका ने बताया कि चेहरे एवं दांतो की हर प्रकार की विकृतियों को सामान्य रूप देने के लिए मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में कई एडवांसमेंट हुए हैं। इसमें टीएम ज्वाइंट सर्जरी, ओरल कैंसर जैसी जटिल सर्जरी एवं सड़क दुर्घटना में हुए चेहरे एवं जबड़े के फ्रैक्चर की सभी प्रकार की अत्याधुनिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हैं।

एशेज सीरीज : इंग्लैंड जीत से 224 रन दूर

हेडिंग्ले। एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट हेडिंग्ले में खेला जा रहा है। शनिवार को खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 27 रन बना लिए हैं। उसे ऑस्ट्रेलिया ने 251 रन का लक्ष्य दिया है। उसकी टीम दूसरी पारी में 224 रन ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 और इंग्लैंड ने 237 रन बनाए थे। कंगारू टीम को पहली पारी में 26 रन की बढ़त मिली थी। बेन डकेट 18 और जैक क्रॉली नौ रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम अपने दूसरे दिन के स्कोर चार विकेट पर 116 रन से आगे खेलने उतरी। वह 224 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह इंग्लैंड को जीत के लिए 251 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए।

एशियाई खेल : वीरधवल सहित 36 सदस्यीय तैराकी दल की घोषणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व कांस्य पदक विजेता वीरधवल खाड़े सहित 36 सदस्यीय तैराकी दल सितंबर-अक्टूबर में हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने शनिवार को टीम की घोषणा की जिसमें तैराकी में 21, डाइविंग में दो और वाटरपोलो में 13 सदस्य शामिल हैं। वाटरपोलो टीम के खिलाड़ियों के नाम की घोषणा नहीं की गयी है। अनुभवी खाड़े के अलावा 12 सदस्यीय पुरुष तैराकी टीम में साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज की स्टार जोड़ी भी शामिल है। खाड़े ने 2010 के एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीता था। टीम में अनीश गौड़ा और हाल ही में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करने वाले आर्यन नेहरा को भी शामिल किया गया है।

भारतीय टीम

तैराकी पुरुष : अनीश गौड़ा, अद्वैत पेज, आर्यन नेहरा, आनंद ए एस, कुशाग्र रावत, लिखित एस पी, साजन प्रकाश, श्रीहरि नटराज, तनिष जॉर्ज मैथ्यू, उत्कर्ष पाटिल, विशाल ग्रेवाल और वीरधवल खाड़े।

तैराकी महिला : अनन्या नायक, दीनिधि देसिंघु, हशिका रामचंद्रन, लिनयेश ए के, माना पटेल, नीना वेंकटेश, पलक जोशी, शिवांगी सरमा और वृत्ति अग्रवाल।

डाइविंग पुरुष: सिद्धार्थ बजरंग परदेशी, हेमन लंदन सिंह। वाटर पोलो के 13 खिलाड़ी।

गुरबाज और जदरान की रिकॉर्ड साझेदारी से जीता अफगानिस्तान

एजेंसी ▶▶| चटगांव

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (145) और इब्राहिम जदरान (100) ने रिकॉर्ड 256 रन की साझेदारी की। इसके दम पर अफगानिस्तान ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दूसरे मैच में शनिवार को यहां बांग्लादेश को 142 रन से शिकस्त देकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

अफगानिस्तान ने नौ विकेट पर 331 रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद बांग्लादेश की पारी को 43.2 ओवर में 189 रन पर समेट दिया। रनों के लिहाज से यह अफगानिस्तान की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। लिटन दास की अगुवाई में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने उनके फैसले को गलत साबित कर दिया। गुरबाज और जदरान की 256 रन की साझेदारी अफगानिस्तान के लिए एकदिवसीय में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड करीम सादिक और मोहम्मद शहजाद के नाम था जिन्होंने 2010 में स्कॉटलैंड के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 218 रन की अटूट साझेदारी की थी।

एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने किया सफल सेमीनार

रायपुर। एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में सेमीनार का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। इसमें प्रमुख वक्ता रही एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डायरेक्टर एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रज्ञा सूर्यवंशी ने चैलेंजिंग केसेस इन इनफर्टिलिटी विषय प विशेष जानकारी साझा किया। सेमीनार में हॉस्पिटल के जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ सौरभ खरे ने भी जॉइंट रिप्लेसमेंट और ऑर्थराटिस प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। न्यूरो सर्जन डॉ घनश्याम सासापारधी ने हेड इंजरी और स्ट्रोक के बारे में विस्तार से चिकित्सकों के बीच अनुभव साझा किया। डॉ वैभव सिंह ने लेजर एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन को किस तरह से नई तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए और इससे लोगों को फायदा मिलेगा, इसकी जानकारी दी। इसमे आईएमए के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह एवं क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक भी मौजूद थे। डॉ सतीश सूर्यवंशी ने बताया की हाल में राष्ट्रीय कोरोनरी इंटरवेंशनल (जिओप्लास्टी) संस्थान द्वारा सभी राज्यों के एजिओप्लास्टी के आंकड़ों का सर्वे किया गया था। इसमे एसएमसी अस्पताल को एंजियोप्लास्टी के लिए पुरे प्रदेश में प्रथम स्थान मिला। डॉ सूर्यवंशी ने संस्थान को मिले इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए सभी चिकित्सकों और सहयोगी डॉक्टरों, नर्सों को इसका श्रेय दिया।

डेस्क जॉब करते हैं आप तो ऐसे रखें अपनी हेल्थ का ख्याल

आज के समय में अधिकतर लोग डेस्क जॉब करते हैं। ऑफिस से लेकर घर पर घंटों एक ही सीट पर बैठकर काम करने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। डेस्ट जॉब करने वाले अधिकतर लोगों की लाइफस्टाइल बहुत एक्टिव नहीं होती है। खुद को एक्टिव ना रखने से अतिरिक्त कैलोरी बर्न नहीं हो पाती है। साथ ही साथ, घंटों एक ही जगह पर बैठना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हालांकि, अगर आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो आप डेस्क जॉब करते हुए अपना ख्याल रख सकते हैं- चूंकि आपका काम ऐसा है कि आपको लंबे समय तक बैठना पड़ता है। इसलिए, अपनी लाइफ को अधिक एक्टिव बनाने के लिए आप अपने दिन की शुरूआत किसी ना किसी तरह के वर्कआउट के साथ ही करें। आप जॉगिंग से लेकर योगा आदि किसी भी तरह का वर्कआउट कर सकते हैं। इससे ना केवल आपको फिजिकली फिट होने में मदद मिलेगी, बल्कि मेंटल लेवल पर भी आपको फायदा होगा। अूममन यह देखने में आता है कि जब लोग एक बार अपनी डेस्क पर बैठ जाते हैं तो घंटों एक ही सीट पर बैठकर काम करते रहते हैं। हालांकि, ऐसा करने से ना केवल तेजी से वजन बढ़ता है, बल्कि शरीर में दर्द की शिकायत भी होती है। इसलिए, काम के बीच में ब्रेक लेते रहें। अपनी सीट से उठें और हल्की चहलकदमी करें। इससे आपको हेल्दी रहने में मदद मिलेगी। भले ही आपको कई घंटों तक बैठना पड़ता है और इसलिए आप खुद का अधिक ध्यान नहीं रख पाते हैं। ऐसे में हेल्दी रहने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने लाइफस्टाइल में बदलाव करें। मसलन, ऑफिस में आप ऊपर-नीचे जाने के लिए लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। जब आप मार्केट जा रहे हैं तो गाड़ी का इस्तेमाल करने की जगह पैदल जाएं। इससे आपको खुद को हेल्दी रहने में मदद मिलेगी।

ईसाई, आदिवासी को यूसीसी से बाहर रखेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में इस समय यूसीसी के मुद्दे पर बहस के बीच नगा नेताओं ने बड़ा दावा किया हैं।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में उन्होंने (अमित शाह) ने उन्हें आश्वासन दिया है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड से नागालैंड में ईसाइयों और आदिवासियों को बाहर रखा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने नागालैंड में लागू धारा 371 (ए) को लेकर भी चर्चा की। बुधवार को नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के नेतृत्व में 12 सदस्यीय नागा प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

धारा 370 हटाने जितना आसान नहीं देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करना: गुलाम नबी

देश में चल रहे यूनिफॉर्म सिविल कोड के बहस के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद ने इस मुद्दे को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश में यूसीसी को लागू करना कश्मीर से धारा 370 हटाने जितना आसान नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कश्मीर में चुनाव से लेकर एनसीपी में टूट तक पर खुलकर बात की। यूसीसी पूर्व केंद्रीय मंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि देश में यूसीसी को लागू करने का सवाल ही नहीं है। यह अनुच्छेद-370 को निरस्त करने जितना आसान नहीं है।

देश के 8 राज्यों में बाढ़ जैसे हालात

जलभराव के चलते बनिहाल से कश्मीर रेलवे ट्रैक टेंपरेरी बंद किया गया है | लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद

देश के आठ राज्यों में तेज बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। इनमें असम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, तटवर्ती गोवा-कर्नाटक और नगालैंड के कई इलाके पानी में डूब गए। कर्नाटक में बारिश के चलते अब तक चार लोगों की जान चली गई। वहीं, दिल्ली में एक दिन में 126.1 एमएम बारिश ने 20 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया।

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड में 154 सड़कें बंद कर दी गईं। असम के 6 जिलों में 121 गांवों के करीब 22 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। दिल्ली में शनिवार को मौसम की पहली भारी बारिश हुई। इससे कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक की समस्या भी देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना के दो जवानों के डोगरा नाले में डूबने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया- भारी बारिश के चलते डोगरा नाला उफान पर है। दोनों जवान नाला पार कर रहे थे। तभी बहाव तेज होने की वजह से वे बह गए। उनकी तलाश जारी है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक उत्तर भारत में तेज बारिश होगी। जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश में 8-9 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी है। दक्षिण कश्मीर में खराब मौसम के चलते अमरनाथ यात्रा लगातार दूसरे दिन रोक दी गई है। भारी बारिश के बावजूद अब तक 84 हजार 768 तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। उधर, बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर छिनका के पास लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया था।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 20 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में दिन भर हुई मूसलाधार बारिश ने पिछले 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक 126.1 एमएम बारिश दर्ज की गई। महज नौ घंटे की बारिश से दिल्ली का पारा सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली में 3.4 एमएम बारिश दर्ज हुई। वहीं, शाम साढ़े पांच बजे तक 126.1 एमएम बारिश दर्ज हुई। इससे पहले 24 घंटे में 133.4 एमएम बारिश 10 जुलाई 2003 को दर्ज की गई थी। जबकि ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड 21 जुलाई 1958 को 266.2 एमएम बारिश दर्ज की गई थी।

मुंबई में चोरों ने 90 फीट लंबा आयरन ब्रिज चुराया

मुंबई। मुंबई में चोरों ने 90 फीट लंबा आयरन ब्रिज चुरा लिया। इस पुल का वजन 6 हजार किलो था। चोरों ने पहले इस ब्रिज को गैस कटर से काटा और उसके बाद ट्रक में डालकर ले गए। इसी ट्रक के रजिस्ट्रेशन नंबर से पुलिस चोरों तक पहुंची। मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुल अडाणी इलैक्ट्रिसिटी कंपनी का था। इसे मुंबई के मलाड इलाके में एक नाले के ऊपर रखा गया था। इसका इस्तेमाल बड़ी पावर केबल्स को मूव करने के लिए होता था। बाद में जब नाले पर परमानेंट पुल बन गया तो आयरन ब्रिज को दूसरी जगह पर रख दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ब्रिज को आखिरी बार 6 जून को देखा गया था।

रिंकेविक्स ने ली लातविया राष्ट्रपति के पद की शपथ

रीगा (एजेंसी)। लातविया के पूर्व विदेश मंत्री एडगर्स रिंकेविक्स ने देश के नए राष्ट्रपति के पद की शपथ ली है। संसद की वेबसाइट के अनुसार श्री रिंकेविक्स ने अपना राजनीतिक जीवन देश के लोगों को समर्पित करने की शपथ ली है। श्री रिंकेविक्स ने ट्वीट किया कि लातविया के विदेश मंत्री के रूप में 11 साल 08 महीने 11 दिन। निरंतर समर्थन के लिए शानदार लातवियन विदेश मंत्रालय टीम के साथ-साथ विदेश में कई सहयोगियों और दोस्तों को बहुत धन्यवाद। लातविया के पीएम क्रिस्जानिस कारिन्स अब विदेश मंत्रालय का भी कार्यभार संभालेंगे।

पाक गुप्तचरों से संबंधों के आरोप में एक गिरफ्तार

भुज, (एजेंसी)। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तानी गुप्तचरों से संबंधों के आरोप में यहां से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस गुजरात ने पाकिस्तान गुप्तचरों को जानकारी लीक करने के संदेह में भुज से नीलेशभाई वलजीभाई बलिया को गिरफ्तार किया। नीलेशभाई भुज में बीएसएफ परिसर में स्थित सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय में ठेके के आधार पर चपरासी के पद पर कार्यरत हैं। वह बीएसएफ कर्मचारी नहीं है और न ही उसका बीएसएफ से कोई संबंध है। उस पर पाकिस्तान में अपने आकाओं के साथ जानकारी साझा करने का संदेह है और एटीएस गुजरात उसकी जांच कर रही है।

आज का इतिहास

- 1533: धार्मिक उपदेशक चैतन्य देव का निधन।
- 1815: अमेरिका में पहले प्राकृतिक गैस के कुएं की खोज की गई।
- 1816: अर्जेंटीना ने स्पेन से स्वतंत्रता हासिल की।
- 1875: बंबई में स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना हुई।
- 1925: भारतीय अभिनेता और निदेशक गुरुदत्त का जन्म।
- 1938: प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता संजीव कुमार का जन्म।
- 1944: नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व स्वीकारा।
- 1951: देश में पहली पंचवर्षीय योजना 1951-56 को प्रकाशित किया गया।
- 1969: वन्यजीव बोर्ड ने शेर को देश का राष्ट्रीय पशु घोषित किया।
- 1973: शेर के स्थान पर बाघ को राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया।

पुतिन से बगावत करने वाले वैगनर चीफ के घर पर छापा

कटे सिर वाली तस्वीर, हथियार, करोड़ों रुपए और विग्स मिलीं

सेंट पीटर्सबर्ग, (एजेंसी)। रूस की बागी प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन के घर और ऑफिस में रूसी सेना और खुफिया एजेंसी एफएसबी ने छापा मारा है। वहां से बड़ी संख्या में डॉलर के बंडल्स और 600 मिलियन रूबल (54 करोड़ रुपए से ज्यादा), सोने के बार, कई विग्स, हथियारों का जखीरा, एक मगरमच्छ और एक तस्वीर मिली।

इस तस्वीर में उन लोगों के कटे हुए सिर दिखाए गए थे जो प्रिगोजिन के दुश्मन थे। तस्वीरें रूसी अखबार इजवेस्तिया ने जारी कीं। वैगनर आर्मी ने करीब 15 दिन पहले 23 जून को विद्रोह कर दिया था। इसके बाद 24 जून को समझौते के तहत वैगनर चीफ येवगेनी प्रिगोजिन को बेलारूस जाने का आदेश दिया गया था। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने दो दिन पहले कहा था कि प्रिगोजिन रूस लौट चुके हैं। हालांकि, अधिकारिक तौर पर प्रिगोजिन की लोकेशन की जानकारी नहीं मिली है।

रूसी मीडिया का दावा- 23 जून को वैगनर ने किया था विद्रोह: 23 जून को वैगनर ग्रुप ने रूस के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की थी। वैगनर आर्मी यूक्रेन के कैंप छोड़कर रूसी सीमा में दाखिल हो गई थी। उसने रोस्तोव शहर और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया था। प्रिगोजिन ने तब कहा था- हम मरने से नहीं डरते। उन्होंने दावा किया था वैगनर लड़ाकों ने रूसी सेना के कई हेलिकॉप्टर्स को मार गिराया था।

प्रिगोजिन के खिलाफ चल रही कार्रवाई

रूसी मीडिया के मुताबिक प्रिगोजिन इन विग्स का इस्तेमाल अपना वेश बदलने के लिए करते थे। इसके अलावा स्नस्कको कई अलग-अलग देशों के पासपोर्ट भी मिले हैं। इससे पहले 5 जुलाई को रूस के स्टेट टीवी ने प्रिगोजिन के खिलाफ अभी भी कार्रवाई होने का दावा किया था। मीडिया हाउस ने कहा था कि रूस में वैगनर के विद्रोह को लेकर तेजी से जांच जारी है।

रूस-यूक्रेन जंग के 500 दिन पूरे: 9,000 यूक्रेनियों की मौत, तबाही से उबरने में लगेंगे 33 लाख करोड़

24 फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग को शनिवार को 500 दिन पूरे हो गए हैं। इस दौरान हुई आम नागरिकों की मौत पर संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन ने आपत्ति जताई है। यूएन ने बताया है कि इन 500 दिनों में यूक्रेन के नौ हजार आम नागरिकों की मौत हुई है। इनमें 500 बच्चे भी शामिल हैं। 15 हजार से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। वहीं, जंग की वजह से जुलाई 2023 तक 60 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। इसमें ज्यादातर 12,75315 लोग रूस गए हैं। कीव स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक इन 500 दिनों में यूक्रेन की इमारतों और इन्फ्रास्ट्रक्चर को 11 लाख करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचा है। आईएमएफ ने बताया है कि जंग के असर से उबरने के लिए यूक्रेन को 10 साल लगेंगे, इस पर 33 लाख करोड़ रुपए खर्च करने होंगे।

रोबोट से बातचीत

जिनेवा। जिनेवा, स्विट्जरलैंड में एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट में शनिवार 7 जुलाई को एक प्रतिभागी यूनाइटेड रोबोटिक्स ग्रुप द्वारा विकसित रोबोट के साथ बातचीत करता है। एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट 6-7 जुलाई दो दिन साइट और ऑनलाइन पर आयोजित किया गया था, जिसका लक्ष्य एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की पहचान करना, वैश्विक प्रभाव के लिए समाधान बढ़ाना और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में तेजी लाना था। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा आयोजित किया गया था। और संचार प्रौद्योगिकी, संयुक्त राष्ट्र, की 40 सहयोगी एजेंसियों के साथ साझेदारी में और स्विट्जरलैंड सरकार के साथ सह-संयोजित किया गया था।

महाराष्ट्र विस स्पीकर ने सीएम शिंदे और विधायकों को जारी किया नोटिस

- शिवसेना से बगावत पर विधायकों को सात दिन में नोटिस का जवाब देना है

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सुप्रीम कोर्ट के हाल के आदेश के परिप्रेक्ष्य में शनिवार को शिवसेना के दोनों गुटों के 54 विधायकों को नोटिस जारी किया और उनकी अयोग्यता पर एक सप्ताह के भीतर लिखित में जवाब मांगा। श्री नार्वेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खेमे के 40 और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी किया है। शीर्ष न्यायालय ने हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। वहीं चुनाव आयोग द्वारा उन्हें शिवसेना के संविधान की प्रति भेजे जाने के बाद श्री नार्वेकर एक्शन मोड में आ गए।

विधानमंडल का मानसून सत्र 17 जुलाई से

महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र 17 जुलाई से चार अगस्त तक चलेगा। यह निर्णय शुक्रवार को विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ रविवार को सरकार में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी नेता छगन भुजबल मौजूद थे।

लद्दाख में 14,500 फीट की ऊंचाई पर मिलिट्री ड्रील

लद्दाख। पिछले चार साल से चीन के साथ लद्दाख बॉर्डर पर चल रहे गतिरोध के बीच भारतीय सेना ने न्योमा सैन्य स्टेशन पर नए लड़ाकू टैंक, तोप और ऑर्म्ड व्हीकल तैनात किए हैं। शनिवार को इनके फोटोज सामने आए। इनमें धनुष होवित्जर से लेकर एम4 क्विक रिएक्शन फोर्स व्हीकल शामिल है। इसके साथ ही सेना ने पहाड़ों पर चलने वाले ऑल टेरेन व्हीकल को भी तैनात किया है। इन नए हथियारों और वाहनों के साथ सेना ने सिंधु नदी के किनारे 14,500 फीट की ऊंचाई पर मिलिट्री ड्रील की। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें टी-90 और टी-72 टैंकों को नदी पार करते हुए देखा जा सकता है। लद्दाख के न्योमा सैन्य स्टेशन पर धनुष, एम4 क्विक रिएक्शन व्हीकल और ऑल टरेन व्हीकल तैनात किया गया।

यूक्रेन को क्लस्टर युद्ध सामग्री की आपूर्ति करने का अमेरिकी फैसला निंदनीय: रूस

मॉस्को, (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन को क्लस्टर हथियारों की आपूर्ति करने के अमेरिकी फैसले की निंदा करते हुए कहा है कि इससे नरसंहार और विश्व शांति के लिए खतरा होगा। रूस की समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने शुक्रवार को दी खबर में अंतरराष्ट्रीय मामलों पर ड्यूमा स्टेट समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लटस्की के हवाले से बताया है कि अमेरिका का फैसला नरसंहार बढ़ाने वाला है और उसे अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर भविष्य में न्यायोचित होने का सामना करना पड़ेगा।

विश्व शांति के लिए खतरा

श्री स्लटस्की ने कहा कि रूस इसका माकूल जवाब देगा और हमारी सैन्य इकाइयों को दुश्मन द्वारा क्लस्टर हथियारों के संभावित उपयोग के बारे में सूचित किया गया है। अमेरिका ने शुक्रवार को यूक्रेन क्लस्टर युद्ध सामग्री को स्थानांतरित करने के निर्णय की घोषणा की, जिसे 123 देशों की मंजूरी पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया था। एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वर्ष 2010 में क्लस्टर युद्ध सामग्री के उपयोग, उत्पादन, स्थानांतरण और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया था।

क्लस्टर बम से होगा कितना नुकसान

यूएस यूक्रेन को जो क्लस्टर युद्ध सामग्री भेजेगा, उसे 155 मिमी हॉवित्जर तोपों से दागा जाएगा, प्रत्येक कनस्तर में 88 बम होंगे। प्रत्येक बम की घातक सीमा करीब 10 वर्ग मीटर है, एक एकल कनस्तर 30 हजार वर्ग मीटर तक के क्षेत्र को कवर कर सकता है। यह बम लंबे समय तक लैंडमाइंस की तरह बिना विस्फोट के पड़े रह सकते हैं और जब कोई इनके संपर्क में आएगा तो इनमें विस्फोट हो सकता है। यूएस में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अब यूएस की वजह से कई वर्षों निर्दोषों के विस्फोटकों का शिकार बनने का खतरा बना रहेगा।

Filmiअड्डा

रवींद्रनाथ टैगोर का किरदार निभाएंगे अनुपम खेर

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अब तक एक से बढ़कर एक किरदार निभाए हैं। अपने हर किरदार में वह जान डाल देते हैं। 68 साल की उम्र में भी एक्टर पूरी तरह एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। जल्द ही वह अपनी अपकमिंग फिल्म में रबीन्द्रनाथ टैगोर का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

अनुपम खेर का कहना है कि उनके करियर की ये 538वीं फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है। अनुपम खेर ने अलग-अलग किरदारों के जरिए इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी शानदार एक्टिंग के लोग आज भी मुरीद है। वह जब भी पर्दे पर नजर आए लोगों ने उनके काम की खूब सराहना की है। अब जल्द ही वह अपने करियर की 538वीं फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस बात का ऐलान खुद एक्टर ने किया है, जिस में वो रबीन्द्रनाथ टैगोर की भूमिका अदा करने वाले हैं। एक्टर का बतौर रबीन्द्रनाथ टैगोर, फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। अनुपम का ये लुक देखकर फैंस काफी हैरान हैं। एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो ब्लैक एंड व्हाइट है, जिसमें अनुपम खेर रवींद्रनाथ टैगोर के किरदार में नजर आ रहे हैं। बड़े-बड़े सफेद बाल और बड़ी दाढ़ी में अनुपम खेर को पहचानना काफी मुश्किल हो रहा है।

राम जन्मभूमि पर बनने वाली फिल्म में काम करेंगे संजय और सन्नी

मुंबई। अब राम जन्मभूमि के अदालती विवाद पर फिल्म बनाने की तैयारी है. फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू होगी। फिल्म का नाम होगा, जन्मभूमि. फिल्म में सनी देओल और संजय दत्त नजर आएंगे। सूत्रों की मानें तो ये दोनों बॉलीवुड सितारे फिल्म में अदालत में एक-दूसरे के विरुद्ध वकालत करते दिखेंगे। बताया जा रहा है कि संजय दत्त फिल्म में विपक्षी वकील की भूमिका निभा सकते हैं। जबकि सनी देओल सरकारी वकील की भूमिका में होंगे। खबरों में बताया जा रहा है कि पूरी फिल्म की शूटिंग मुंबई में सेट बना कर की जाएगी। फिल्म सिटी में अयोध्या के साथ-साथ कोर्ट रूम को भी रीक्रिएट किया जाएगा। फिलहाल अभी इस फिल्म से जुड़े डीटेल सामने नहीं आए हैं, दोनो सितारों के के खाते में दर्जनों हिट फिल्में हैं। इन दोनों सितारों ने योद्धा, क्रोध और क्षत्रिय जैसी फिल्मों में एक साथ काम किया है। फिर एक बार स्क्रीन पर दोनो अभिनेताओं को एकसाथ देख फेंस काफी खुश है।

सचिन पायलट ने दिए संकेत भूलो, माफ करो और आगे बढ़ो

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने हाल ही में कांग्रेस के आला नेताओं के साथ बैठक के बाद राजस्थान में एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में जाने के संकेत दिए हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ मतभेदों को भुलाकर उन्होंने शनिवार को साफ करते हुए कहा कि सामूहिक नेतृत्व ही चुनाव में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। कांग्रेस की बैठक के बाद संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संकेत दिया था कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं करेगी।

सचिन पायलट ने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनसे कहा है कि 'भूलो, माफ करो और आगे बढ़ो'। उन्होंने कहा कि खड़गे की यह बात उनके लिए एक सुझाव होने के साथ ही पार्टी अध्यक्ष का निर्देश भी है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी उस वक्त की है, जब गत गुरुवार को खड़गे और राहुल गांधी ने प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की थी, जिसमें एकजुट होकर आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला हुआ था।

परिवार परामर्श केंद्र में 16 परिवारिक विवाद में 9 की हुए विदाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइंस गाजीपुर के प्रांगण में अपर पुलिस अधीक्षक बलवंत कुमार चौधरी की अध्यक्षता में कुल 16 पारिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए। इनमें आरती देवी पत्नी सोनू राम निवासी महमूदपुर थाना नंदगंज गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति का अवैध संबंध पड़ोसी औरत से है। उसी के कहने पर वह आरती से हमेशा मारपीट करता रहता है। इसपर पति व ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई। मीना कुमारी पत्नी श्रवण कुमार निवासी कंवलपट्टी (शेखनपुर) थाना कासिमाबाद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति दहेज में स्प्लेंडर मोटरसाइकिल न मिलने के कारण उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति व ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई। नीतू देवी पत्नी रामजन्म बिंद निवासी सब्बलपुर देवरिया की शिकायत थी कि उसके पति व ससुराल पक्ष के लोग जबरदस्ती उसके सभी आभूषण को अपने पास रखकर उसे मायके भेज दिए हैं। इसपर पति

व ससुराल पक्ष दोनों को समझाकर उसके गहने को दिलवाकर विदाई करवाई गई। तृप्ति देवी पत्नी अंकित यादव निवासी उतरौली थाना रेवतीपुर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते हैं और उसके चरित्र पर शंका करते रहते है। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। शबाना परवीन पत्नी चांद बाबू निवासी स्टेशन रोड थाना कोतवाली सदर भदोही की शिकायत थी कि उसके पति बिना कारण ही उसके चरित्र पर शंका करते हैं और उसके साथ मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति व ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई। प्रियंका गुप्ता पत्नी आकाश गुप्ता निवासी राजापुर थाना करीमुद्दीनपुर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति सास और ननद के कहने पर उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते हैं। इसपर ननद, सास और पति को समझाकर विदाई करवाई गई। गीता पांडेय पत्नी चंदन पांडेय निवासी नैसारा थाना नंदगंज की शिकायत थी कि उसके पति हमेशा शराब पीकर उसके साथ मारपीट करते रहते हैं। वह पिकअप के ड्राइवर है जिसके चलते वह देर रात शराब पीकर घर आकर उससे मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति व ससुर को समझाकर विदाई करवाई गई। प्रतिभा पासवान पत्नी सुनील उर्फ छांगुर निवासी इचौली थाना मोहम्मदाबाद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति भसुर दोनों लोग मिलकर उसके साथ मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति व भसुर को समझाकर दोनों की विदाई करवाई गई। रेशम देवी पत्नी अंगद चौहान निवासी पियरही थाना शादियाबाद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति का संबंध उसके भवह से है जिसके कारण वह उसके साथ मारपीट करते हैं। जिसके बाद दोनों पक्षों को समझाकर विदाई करवाई गई। कुशलता के बाद दो प्रकरण को बंद कर दिया गया। दो पारिवारिक विवाद को विधिक कार्यवाही का सुझाव देते हुए मामले को बंद कर दिया गया। एक पारिवारिक विवाद के प्रकरण में एक पक्ष उपस्थित था जबकि तीन पारिवारिक विवाद के प्रकरण में दोनों पक्ष उपस्थित नहीं थे। इन सभी प्रकरण के निस्तारण में सरदार दर्शन सिंह, सरिता गुप्ता, वीरेंद्र नाथ राम, सुनीता गिरी, आरक्षी आलेश कुमार, रोली सिंह, महिला होमगार्ड उमीर्ला गिरी आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सादात पुलिस ने किया तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर निकट पर्यवेक्षण मे थाना सादात गाजीपुर की पुलिस द्वारा रविवार को संदिग्ध व्यक्ति व वाहनो की चेकिंग के दौरान अभियुक्त गौरव सिंह पुत्र शमशेर सिंह ग्राम सेमरौल थाना सादात जनपद गाजीपुर को मखदुमपुर नहर पुलिया बहद ग्राम मखदुमपुर थाना सादात गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया। जिसकी तलाशी ली गयी तो उसके कब्जे से एक अदद तमंचा नाजायज .315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ गिरफ्तारसुदा अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 99/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना सादात जनपद गाजीपुर पर पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे शैलेष कुमार मिश्रा थानाध्यक्ष थाना सादात, उप निरीक्षक रवीन्द्र कुमार थाना सादात, कांस्टेबल प्रमोद वर्मा थाना सादात, कांस्टेबल भाईलाल बिन्द थाना सादात, गाजीपुर।

संक्षिप्त खबरें

नगसर पुलिस ने किया तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में तथा क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को थाना नगसर हाल्ट की पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को एक अदद नाजायज देशी तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ ग्राम सरहुला गाँव को जाने वाले मार्ग क्रासिंग के पास थाना नगसर हाल्ट जनपद गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना पर संबंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत किया गया। अन्य आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने पुलिस वाली टीम में उप निरीक्षक वृजमोहन थाना नगसर हाल्ट, हेड कांस्टेबल सुरेश प्रसाद सरोज थाना नगसर हाल्ट, कांस्टेबल शिवदयाल थाना नगसर हाल्टगाजीपुर शामिल रहे।

सरकार की नीतियां जनता विरोधी होती जा रही है : अमेरिका सिंह यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ब्लॉक कमेटी देवकली की बैठक नंदगंज हनुमान मंदिर परिसर में संपन्न हुई। इसे सम्बोधित करते हुए पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमेरिका सिंह यादव ने कहा की सरकार की नीतियाँ लगातार जनता विरोधी होती जा रही है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महिलाओ, शोषितों, का उत्पीड़न चरम पर है। प्रधान मंत्री जी भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध करवाही की बात करते है। जब वही भाजपा में चले जाते है तो दूध के धुले हो जाते है।सरकार की नीतियाँ देश की एकता अखंडता को तोड़ने व विभाजनकारी है। प्रदेश की हालत तो अत्यंत दयनीय है।कानून व्यवस्था ध्वस्त है। ऐसी दशा में पार्टी को मजबूत करके वाम जानवादी ताकतों को एकताबद्ध करके सत्ता से बेदखल करना समय की मांग है। बैठक में ब्लॉक मंत्री बच्चेलाल यादव ने कार्यात्मक संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जनसवालों पर संघर्ष करने पर बल दिया। इसमें रामराज बिंद, लौटू राम, रामशुक्ला, हरिद्वार, कल्पनाथ प्रजापति, दुर्जन बिंद, चंद्रशेखर वर्मा, वहिद अंसारी, मोहन- प्रसाद्आदि ने विचार प्रगट किया। अध्यक्षता सुरेश बिंद ने किया।

सिद्ध पीठ हथियाराम के 25वें महंत स्वामी बाल कृष्णा यति का मनाया निर्वाण दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पूर्वांचल प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ के 25 वें ब्रम्हलीन महंत महामंडलेश्वर पवहारी स्वामी बालकृष्ण यति महाराज का निर्वाण दिवस श्रद्धाभाव से मनाया गया। इस दौरान गौदान, शिवोपासना, समाधि पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। सिद्धपीठ के 26वें महंत महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनन्दन यति जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अपने गुरु महाराज की समाधि पर पूजन किया। वहीं सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच शिवोपासना किया। मालूम हो कि परम पूज्यगुरुदेव ब्रम्हलीन महामंडलेश्वर पवाहारी स्वामी बालकृष्ण यति महाराज ने सावन कृष्ण पंचमी 27 जुलाई 2013 को वाराणसी के जागेश्वर आश्रम में शरीर त्याग दिया था। वह 700 वर्ष से अधिक प्राचीन सिद्ध महात्माओ की तपस्थली सिद्धपीठ हथियाराम मठ के 25वें परमाचार्य थे। उनका जन्म हिमालय के कूर्मांचल भूमि पर स्थित अल्मोड़ा के जोशी गाँव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा अल्मोड़ा, उज्जैन, मिजार्पुर एवं वाराणसी में हुई। संपूणानंद संस्कृति महाविद्यालय वाराणसी ने उनको ह्यवेदान्ताचार्यह्ल की उपाधि से विभूषित किया था। ब्रम्हचर्य अवस्था से ही स्वामी बालकृष्ण यति महाराज ने संन्यास लेकर नर्मदा तट पर एवं हिमालय में साधना की अट्ठाईस वर्षो तक आपने फलाहार लेकर साधना तपस्या की। बाल्यकाल से ही अलौकिक प्रतिभा के धनी स्वामी बालकृष्ण यति ने कठिन साधना, हठयोग, समाधि तथा तपस्या से अध्यात्म जगत में महत्वपूर्ण स्थान बनाया। हरिद्वार के ज्वालापुर में शंकर आश्रम, इंदौर में विश्वनाथ धाम, हल्द्वानी में महालक्ष्मी अष्टादास का विख्यात मंदिर, वाराणसी , बलिया, मऊ के साथ ही हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, बिहार आदि प्रांतों व विदेशों में बड़ी संख्या में शिष्य हैं। धर्म संदेश को लेकर उन्होंने कई बार विदेश यात्रा भी किया था। नवरात्रि महोत्सव, शिवरात्रि महोत्सव तथा चातुर्मास महायज्ञ आदि को वह काफी महत्व देते थे। इस पीठ पर आसीन होने वाले संत यति सन्यासी कहे जाते हैं। इस गद्दी की परंपरा दत्तात्रेय, शुकदेव तथा शंकराचार्य से प्रारंभ होती है। मठ का प्रमाण सामान्य जनश्रुति, प्राचीन हस्तलिपि, लिखित पुस्तक तथा भारतीय इतिहास में मिलता है। श्री सिंह श्याम यति से इस पीठ की संत परंपरा प्रारंभ हुई थी। उन्होंने धर्म प्रचार के साथ अनेक शिक्षण संस्थाए भी संचालित किया था, जो आज पुष्पित पल्लवित होकर जनकल्याण में सहायक साबित सिद्ध हो रहा है। अंत में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें महाप्रसाद ग्रहण कर लोग अपने घर लौटे। इस दौरान कन्या पीजी कालेज हथियाराम की प्राध्यापिकाओं को वस्त्र, द्रव्य आदि देकर डा. मंजू सिंह ने सम्मानित किया। इस अवसर पर देवरहा बाबा, डा. रत्नाकर त्रिपाठी, आचार्य विनोद जी, आचार्य सत्यप्रकाश जी, मंजू सिंह, डा. अमिता दूबे, डा. संतोष मिश्रा, प्रमुख प्रतिनिधि संतोष यादव, मंगला सिंह आदि रहे।

बीएससी द्वितीय वर्ष की लापता छात्राएं मऊ रेलवे स्टेशन से बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कासिमाबाद क्षेत्र से लापता दो छात्राओ को गाजीपुर पुलिस ने बरामद करने में सफलता हासिल की है। दोनों छात्राएं क्रिप्टो करेंसी के चक्कर में जम्मू कश्मीर पहुंच गई थी। तबसे पड़ताल में जुटी पुलिस ने लोकेशन के आधार पर मऊ रेलवे स्टेशन से बरामद किया। बताते चलें की बीते 3 जुलाई को दोनों छात्राएं घर से स्कूल के लिए निकली और गायब हो गई। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस तफ्सीस में जुट गई। दोनों को बीते देर शाम मऊ रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया है।पूछताछ के बाद दोनों छात्राओं को वन स्टाफ सेंटर भेज दिया गया है कासिमाबाद थाना प्रभारी श्री प्रताप वर्मा ने बताया कि दोनों लड़कियां बीएससी सेकंड ईयर की छात्र हैं और नाबालिक हैं। वह जम्मू कश्मीर चली गई थी वहां के व्यवसाईयों के संपर्क में रहने के कारण इस धंधे में पिछले काफी दिनों से लगी हुई थी। पिछले 3 जुलाई की सुबह कॉलेज पढ़ने के लिए घर से निकली लेकिन दोनों छात्राएं स्कूल न

जाकर ट्रेन से जम्मू कश्मीर पहुंच गई। जब देर शाम को वापस नहीं पहुंची तो दोनों घर के परिजन परेशान हो गए और कासिमाबाद कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराए। हरकत में आई पुलिस ने दोनों के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया तो तीन दिन बाद इनका लोकेशन जम्मू कश्मीर पता चला। आधार कार्ड घर पर भूल जाने की वजह से दोनों को रहने के लिए जगह नहीं मिल पा रही थी।इधर स्थानीय पुलिस जम्मू कश्मीर पुलिस से संपर्क कर दोनों छात्राओं को घर जाने के लिए ट्रेन पर बैठा दिया पुलिस ने दोनों छात्राओं के मोबाइल से लोकेशन ट्रेस करते हुए उनकी बरामदगी मऊ रेलवे स्टेशन से की। पूछताछ में दोनों छात्राओं ने पुलिस को बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण क्रिप्टो करेंसी के व्यवसाय से हुए फायदे से पढ़ कर आईएएस बनने की तैयारी करने की योजना थी। फिलहाल दोनों छात्राओं के बरामद होने से परिजनों में खुशी की लहर है।

गड्ढे में तब्दीली हुई सड़क पर कांग्रेसियों ने की धान की रोपाई

प्रखर पिंडरा वाराणसी। खालिसपुर - गजोखर मार्ग के पूरी तरह खस्ताहाल होने व गड्ढे में तब्दील पर आक्रोशित कांग्रेसियो व ग्रामीणों ने सड़क पर धान की रोपाई कर आक्रोश जताया। जर्जर सड़क की हालत को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों ने शिकायत की थी। लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। ढाई किमी लंबे मार्ग पर 220 केवीए विद्युत सब स्टेशन, जवाहर नवोदय विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय समेत कई निजी संस्थाओं के स्कूल कालेज है। जिसपर सैकड़ों छात्र छात्राओ के अलावा आधा दर्जन गांवों के लोगों का आवागमन है। कई वर्षों से उक्त सड़क के न बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने गड्ढे में तब्दील हो चुकी सड़क पर धान की रोपाई कर विरोध जताया। बताते है कि उक्त सड़क पर पहले पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क बनना स्वीकृति हुई थी लेकिन फिर प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनने के लिए योजना स्थानीय सांसद

द्वारा भेजी गई लेकिन अभी तक धरातल पर न उतरने पर लोग आक्रोशित दिखे। कॉंग्रेसियो ने चेतावनी दी कि उक्त सड़क एक माह के अंदर नही बनी तो जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। सड़क पर धान की रोपाई व प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस पार्टी के जिलाउपाध्यक्ष राजीव कुमार राजू, राजकुमारी देवी, रविन्द्र कुमार, विनोद यादव, लक्ष्मी कांत , गोपाल, बृजेश सिंह, पारस चौहान, संजय यादव, दुख्खू राजभर,सुरेंद्र चौहान, शिवकुमार, पिंटू लाल, राजकुमार, मुमताज, प्रदीप यादव समेत अनेक लोग रहे।

भाजपा कार्यालय पर की गई महाजनसंपर्क अभियान की समीक्षा बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 30 मई से 15 जुलाई तक चलाए जा रहे भाजपा महाजनसंपर्क अभियान की समीक्षा बैठक आज जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के अध्यक्षता में जिला कार्यालय छावनी लाइन पर हुई। मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अशोक मिश्रा ने बैठक में उपस्थित मंडल अध्यक्षों तथा सम्पर्क प्रमुखों से जनसंपर्क अभियान का क्रमवार जानकारी लेते हुए कहा कि गाजीपुर भाजपा का कार्यकर्ता जिस त्याग और समर्पण से कार्य करता है वह उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि अभियान के सभी कार्यक्रम कार्यकताओं के लग्न, परिश्रम और निष्ठा से जिस सफलता से पुरे जनपद में सम्पन्न हो रहे है उसके लिए भाजपा कार्यकर्ता प्रशंसा के हकदार हैं।और आह्वान किया कि सभी पदाधिकारी एवं जिम्मेदार लोग अपने अपने शक्ति केंद्र के सभी बूथों पर प्रवास कर अधिक से अधिक मिस्ड कॉल प्रधानमंत्री के समर्थन में सरल एप्प पर अपलोड करें। जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने सम्पूर्ण अभियान में निहित सम्पन्न कार्यक्रमों का ब्यौरा रखते हुए कहा कि लोकसभा गाजीपुर इस अभियान में पुरे देश के रैंकिंग में आठवें स्थान पर है ।और यह उपलब्धि जिले के लिए तथा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने सम्पर्क अभियान में लगे कार्यकताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विगत नौ वर्षों के कार्यों को समर्थन के लिए 9090902024 पर मिस्ड कॉल कराने का आह्वान किया। लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय ने सबके प्रति धन्यवाद आभार व्यक्त किया। बैठक की शुरूआत भाजपा महामनिषियों पं दीनदयाल उपाध्याय और डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर वंदेमातरम गायन से हुआ। संचालन जिला महामंत्री प्रवीण सिंह ने किया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष

सरोज कुशवाहा, वृजेंद्र राय, शोभनाथ यादव, ओमप्रकाश राय, दयाशंकर पांडेय, अवधेश राजभर, सुनिल सिंह, अच्छेलाल गुप्ता, विनोद अग्रवाल, रामनरेश कुशवाहा,रमेश सिंह पप्पू, जितेन्द्र नाथ पाण्डेय, अवधेश राय, बृजनंदन सिंह,मनोज गुप्ता, रामराज बनवासी,बी के त्रिवेदी,डा मुराहू राजभर, संकठा प्रसाद मिश्र,सोमारु चौहान, राजेश राजभर, अखिलेश सिंह, श्यामराज तिवारी, मनोज सिंह, सुरेश बिंद,अभय प्रताप सिंह,हरेंद्र यादव, अखिलेश राय, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, सोशल मीडिया संयोजक कार्तिक गुप्ता, अनिल पांडेय, नितिश दूबे, रघुवंश सिंह पप्पू, सुरेश बिंद, रासबिहारी राय सहित सभी मंडल अध्यक्ष आदि लोग उपस्थित रहे।

माधव शिक्षा संस्कार केन्द्र का मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

प्रखर दानगंज वाराणसी। त्रिकुटा सेवा संस्थान द्वारा संचालित (चिल्ड्रन लर्निंग सेंटर) के बड़ागांव, सेवापुरी, पिंडरा और चोलापुर के वर्तमान में संचालित सभी केंद्रों के साथ चोलापुर एवं पिंडरा के 4 नए केंद्र का एक साथ मासिक समीक्षा योजना बैठक क्रमशः 6,7 व 8 जून को सकुशल बड़ागांव व पिंडरा ब्लाक के 12 केंद्रों का बैठक बड़ागांव ब्लाक के चत्तुरपुर(भीटी) ग्रामसभा में वही 18 केंद्रों का बैठक सेवापुरी ब्लाक के आपी (झबरा) में वही 10 केंद्रों की बैठक बेनीपुर कलां ब्लाक चोलापुर केंद्र पर केंद्र अभिभावक श्रीमान जी अरविंद सिंह जी और अनुदेशक बबली सिंह जी और केंद्र सहायक श्रीमती पूनम देवी जी के यहां सम्पन्न हुई जिसमे सभी केंद्र के सहयोगीगण उपस्थित रहे। केंद्र के सचिव/प्रबंधक ह्रदेश पांडेय की अध्यक्षता में विगत 4 माह के कार्यों एवं संचालन स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा हुई एवं आगामी माह में होने वाले कार्यों एवं कार्यक्रमों की योजना निर्धारित

हुई। सभी केंद्रों के सहयोगियों का सहभोज तत्पश्चात जून माह तक का मानधन दिया गया। साथ ही पाठ्य सामग्री(कॉपी, पेंसिल, कटर एवं मैट अन्य इत्यादि) समानों का वितरण किया गया। जिसमे मार्गदर्शन स्वरूप कार्यक्रम अधिकारी/समन्यवक अधिकारी दृष्टांत द्विवेदी, धीरज सिंह एवं देवेंद्र यादव की उपस्थिति रही। इसके साथ साथ मासिक समीक्षा योजना बैठक में त्रिकुटा सेवा संस्थान द्वारा संचालित सभी माधव शिक्षा संस्कार केंद्रो के माध्यम से विश्व योग दिवस 21 जून के पर संस्था के केंद्रो द्वारा लगातार 3 दिन 20/21/22 जून को संबंधित गांवों में योग कार्यक्रम के साथ विचार गोष्ठी तथा प्रभातफेरी के सफल आयोजन के साथ ही गुरु पूर्णिमा 3 जुलाई को सभी माधव शिक्षा संस्कार केंद्रो के माध्यम से संबंधित गांवों के देवस्थलों, मंदिर, देवालय की साफ सफाई करके केंद्रो के बच्चो द्वारा सामूहिक पूजन व दीपदान की सफलता पर संस्था के सचिव प्रबंधक ह्रदेश जी द्वारा संस्था के अन्य अधिकारियों के साथ सबको बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने बबरी में किया मेधावी छात्र सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में बवेड़ी स्थित सांई ग्रेस प्ले स्कूल में मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सीबीएसई बोर्ड से हाईस्कूल की परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सुहानी सहाय और इंटरमीडिएट की परीक्षा में जिले में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर शुभ्रा श्रीवास्तव को महासभा के प्रान्तीय उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव और महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

इस समारोह को संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के प्रान्तीय उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव ने सम्मानित हुए मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इनकी सफलता से कायस्थ समाज गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने कहा कि आज समाज के बच्चों में प्रतिस्पर्धा

की भावना पैदा करने की जरूरत है। उन्हें एकेडमिक शिक्षा देने के अलावा संस्कारित करने और व्यवहारिक ज्ञान देने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों में प्रतिभा का अभाव नहीं है जरूरत है उन्हें सही रास्ता दिखाने और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की । उन्होंने कहा कि बच्चे ही हमारा भविष्य है इनकी सफलता में ही हमारी सफलता भी निहित है।

जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महासभा हमेशा समाज के गरीब बच्चों, छात्रों और बेटियों की मदद और सम्मान में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि महासभा हमेशा वक्त आने पर अपने समाज के शिक्षकों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों, कवियों और मेधावी छात्रों का सम्मान करता रहा है। उन्होंने इस अवसर पर समाज में व्याप्त दहेज जैसी कुरीतियों और कुप्रथाओं के खिलाफ भी संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने शादी के अवसर पर फिजूल खर्ची रोकने का भी आह्वान किया और कहा दिखावा करने की जरूरत नहीं, जितनी बड़ी चादर हो उतना ही पांव फैलावें। उन्होंने समाज के लोगों से अपने घरों में समाज के महापुरुषों की तस्वीर लगाने और अपने बच्चों को उनका इतिहास बताने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा समाज के लोगों से राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और कहा कि विकास की कुंजी सत्ता के हाथो में हैं। बिना सत्ता की भागीदारी के समाज का विकास संभव नहीं। इस समारोह में मुख्य रूप से जे पी एल श्रीवासतव,, शशिकला श्रीवास्तव, स्मृति श्रीवास्तव, केशव श्रीवास्तव, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, अरुण सहाय, अमरनाथ श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, विपुल सिन्हा,आचल श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, सुशांत श्रीवास्तव, आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री आशुतोष श्रीवास्तव ने किया।

ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में भी मनाया जाएगा कैबिनेट मंत्री का पुर्नजन्मोत्सव

प्रखर पिंडरा वाराणसी। वैश्य प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नन्दी का 12 जुलाई को पुर्नजन्मोत्सव मनायेगा। जिले भर में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। उक्त जानकारी वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजय केशरी ने रविवार को सायंकाल में पिंडरा में देते हुए बताया कि कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी के ऊपर 12 जुलाई 2010 को आरडीएक्स से विस्फोट कर जानलेवा हमला किया गया था। जिसमे एक पत्रकार और सरकारी गनर की मौत हो गई थी। लेकिन लम्बी जद्दोजहद व संघर्ष के बाद कैबिनेट मंत्री पुनः जीवित हो पाए। तभी से वैश्य समाज उस दिन को पुर्नजन्मोत्सव के रूप मनाता है। इस बार शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमे पिंडरा, फूलपुर, सिंधोरा, नेवादा में असहाय लोगों को फल, मिष्ठान व कपड़े वितरित किए जाएंगे। इसके लिए वैश्य समाज पिंडरा विस् क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान लोंगो को कार्यक्रम की जिम्मेदारी भी दी गई। इस दौरान वैश्य समाज के प्रदेश महामंत्री संजय केशरी, जिलाध्यक्ष राजकुमार जायसवाल, विस् प्रभारी रामू गुप्ता, विवेक गुप्ता, नन्हकू जायसवाल, तुषार गुप्ता, गौरव गुप्ता, नंदलाल गुप्ता, सोनू मोदनवाल समेत अनेक व्यापारी नेता रहे।

वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने व्यापारियों से किया सम्पर्क

प्रखर पिंडरा वाराणसी। वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने रविवार को कैबिनेट मंत्री के पुर्नजन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए व्यापारियों से जनसम्पर्क किया। इस दौरान वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजय केशरी ने व्यापारियों से आह्वान करते हुए कहा कि हर बाजार में कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी के पुर्नजन्मोत्सव मनाए और अपने एकजुटता का प्रदर्शन करें। इस दौरान पिंडरा, फूलपुर, सिंधोरा व नेवादा बाजार में जनसम्पर्क किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं